RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 115 , सोमवार, 08 जून 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

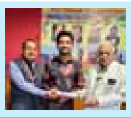

अंतर्राष्ट्रीय फेलोशिप से सम्मानित हुए युवा सर्जन डॉ. विश्वपाल विश्वेंदु, मोतिहारी-बिहार का ... 03

सिंगल यूज़ प्लास्टिक के दुष्प्रभावों पर परिचर्चा 04

जरा हटके जरा बचके के तीन साल पूरे होने पर सारा ने की भावुक पोस्ट 07

संक्षिप्त समाचार

नीट पेपर लीक के बाद बदलेगा एनटीए का सिस्टम

- एक्सपर्ट्स सवाल तैयार तो करेंगे,पर पता नहीं होगा किस एग्जाम के लिए किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट 2026 पेपर लीक और सीबीएसई की मार्किंग गड़बड़ियों के बाद सरकार परीक्षा व्यवस्था में बड़े बदलाव की तैयारी कर रही है। एक अंग्रेजी अखबार के मुताबिक, एनटीए ऐसा नया सिस्टम बनाने पर काम कर रही है, जिसमें सवाल तैयार करने वाले एक्पर्ट्स को भी पता नहीं होगा कि वह किस एग्जाम के क्वेश्चन पेपर बना रहे हैं। नई योजना के तहत अलग-अलग विषयों के एक्सपर्ट्स केवल सवाल तैयार करेंगे। इन सवालों को एक बड़े डिजिटल बैंक में रखा जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक इसमें करीब 10 हजार सवाल हो सकते हैं। बाद में टेक्नीक की मदद से इन सवालों से फाइनल एग्जाम पेपर तैयार होगा। वहीं, शनिवार को अखबार के आइडिया एक्सचेंज कार्यक्रम में पहुंचे केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा- पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने नैतिक जिम्मेदारी ली है। मंत्री जिम्मेदारी से नहीं भाग रहे, बल्कि व्यवस्था सुधारने के लिए लगातार कदम उठा रहे हैं।

प्रोफेसर की हत्या करने 1400 किमी दूर से आया कपल

- प्रॉपर्टी हड़पना चाहता था,पुलिस ने बंगाल से गिरफ्तार किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने दिल्ली यूनिवर्सिटी की असिस्टेंट प्रोफेसर देवोस्मिता पॉल की हत्या का मामला तीन दिन में सुलझा लिया है। पुलिस ने पश्चिम बंगाल के बर्धमान निवासी एक कपल को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी प्रॉपर्टी विवाद के चलते करीब 1400 किमी दूर पश्चिम बंगाल से दिल्ली आए थे। पॉल के पास पश्चिम बंगाल में एक संपत्ति थी, जो उसे नाना के मरने के बाद विरासत में मिली थी। इस संपत्ति की कीमत करोड़ों रुपए है। आरोपी उस घर में किराएदार थे और संपत्ति पर इनकी नजर थी। हालांकि, पॉल

उन पर घर खाली करने का दबाव डाल रहा थी। इसी वजह से कपल ने हत्या की साजिश रची ताकि उसकी संपत्ति पर कब्जा कर सकें। शिवाजी कॉलेज में प्रोफेसर देवोस्मिता पॉल का शव बुधवार को पूर्वी दिल्ली के वसुंधरा एन्क्लेव स्थित उनके फ्लैट में मिला था। पुलिस जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज में एक कपल फ्लैट में आता दिखाई दिया। दोनों करीब 30 मिनट तक फ्लैट के अंदर रहे। वे प्राइवेट कैब से आए थे और लिफ्ट की बजाय सीढ़ियों से छठी मंजिल तक गए। शक से बचने के लिए वे अपने बच्चे को भी साथ लाए थे। अधिकारियों के मुताबिक, दोनों प्रोफेसर से मिलने के बहाने दिल्ली आए थे। देवोस्मिता की बहन देवरति पॉल ने गुरुवार को पुलिस को सूचना दी थी। उन्होंने बताया कि उनकी बहन सुबह से फोन नहीं उठा रही थीं। जब वह फ्लैट पर पहुंचीं तो दरवाजे पर बाहर से ताला लगा था।

वाराणसी में शहर से बाहर शिफ्ट होंगी मांस-मछली की दुकानें

- सावन से पहले नगर निगम का अहम फैसला, योगी सरकार भी ऐक्टिव

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी नगर निगम ने मांस और मछली की सभी दुकानें शहर की सीमा से बाहर ट्रांसफर करने का फैसला किया है। सावन से पहले नगर निगम ने यह कदम शहर को व्यवस्थित और स्वच्छ रखने की मंशा से उठाया है। नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी संदीप श्रीवास्तव ने रविवार को बताया कि महापौर अशोक कुमार तिवारी की अध्यक्षता में शनिवार को मैदागिन स्थित टाउन हॉल भवन में बैठक हुई। इस बैठक में मांस और मछली की दुकानों को शहर से बाहर ट्रांसफर करने के प्रस्ताव पर मुहर लगाई गई। श्रीवास्तव ने बताया कि बैठक में वाराणसी के विकास को लेकर भी विस्तृत चर्चा हुई।

पार्टी का विलय कीजिए या किनारे लग जाइए !

बीजेपी ने उपेन्द्र कुशवाहा को दे दिया सख्त 'मैसेज'

पटना (एजेंसी)। पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश को भाजपा ने विधान परिषद चुनाव में टिकट क्यों नहीं दिया। एनडीए के सभी 9 प्रत्याशी घोषित हो चुके हैं। अब 8 जून को कोई चमत्कार हो जाए तो अगर बात है, लेकिन फिलहाल दीपक प्रकाश का मंत्री पद खतरे में पड़ गया नजर आ रहा है। छह महीने के अंदर किसी सदन के सदस्य बनने की संभावना अब धूमिल होती दिख रही है। अभी जो सामने तस्वीर है उसके हिसाब से कुछ दिनों में उन्हें मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ सकता है। जानकारों का कहना है कि भाजपा अब आर-पार के मूड में है। मार्च में जब राज्यसभा का चुनाव हो रहा था तब भाजपा ने उपेन्द्र कुशवाहा के सामने शर्त रखी थी कि यदि वे अपनी पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा का भाजपा में विलय कर लेते हैं तभी उनको राज्यसभा में और दीपक प्रकाश को विधान परिषद में भेजा जाएगा।

जब सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री हैं तो अब भाजपा को कुशवाहा की क्या जरूरत

भाजपा पहले उपेन्द्र कुशवाहा को इसलिए भाव देती थी कि क्योंकि उसे कोइरी (कुशवाहा) वोट की चिंता थी लेकिन अब जब सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री बन गये हैं तो भाजपा इस चिंता से बिल्कुल मुक्त हो गयी है। भाजपा ने कुशवाहा समाज के नेता को मुख्यमंत्री बना कर एक बहुत बड़ा दांव खेला है। इस समाज से आने वाले सतीश प्रसाद सिंह केवल पांच दिन के लिए कार्यवाहक मुख्यमंत्री बने थे। लेकिन सम्राट चौधरी पहले कुशवाहा नेता हैं जो पूर्ण बहुमत वाले गठबंधन के पूर्णकालिक मुख्यमंत्री हैं। इस दांव के चलते अब बिहार की कुशवाहा राजनीति, भाजपा की तरफ मुड़ चुकी है।

2021 में वे अपनी पार्टी का जदयू में विलय कर चुके हैं

बिहार एनडीए में 5 दल शामिल है- भाजपा, जदयू, लोजपा (आर), हम और रालोमो लेकिन हैरानी की बात ये है कि लोजपा (आर), हम और रालोमो केवल भाजपा की जिम्मेदारी हैं। इन तीन दलों को किसी चुनाव में कितनी और कैसे सीट मिलेगी यह सोचने की जहमत सिर्फ भाजपा को उठानी है। जदयू को इनके लिए कोई माथापच्ची नहीं करनी है। वह केवल भाजपा से डील करती है। अब भाजपा यह सोचने लगी है कि जब उसे उपेन्द्र कुशवाहा और उनकी पार्टी भाजपा की जिम्मेदारी उठानी ही है तो क्यों ने उन्हें अपनी पार्टी में मिला लिया जाए। बहुत पहले जब उपेन्द्र कुशवाहा जदयू की जिम्मेदारी थे तो उन्होंने 2021 में अपनी पार्टी, राष्ट्रीय लोक समता पार्टी का जदयू में विलय कर दिया था। उपेन्द्र कुशवाहा वैचारिक रूप से जदयू के नजदीक हैं।

'सिलेंडर' बिगाड़ेगा आपके रसोई का बजट

- घरेलू एलपीजी सिलेंडर में फिर बढ़ोत्तरी,29 रुपए महंगा हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। घरेलू एलपीजी सिलेंडर 29 रुपए महंगा हो गया है। नई दरें आज रात 12 बजे से लागू हो गई हैं। दिल्ली में अब 14.2 किलो वाला गैस सिलेंडर 913 से बढ़कर 942 का हो गया है। तीन महीने में दूसरी बार एलपीजी की कीमत बढ़ाई गई है। इससे पहले 7 मार्च को एलपीजी सिलेंडर के दाम 60 बढ़ाए गए थे। इस तरह 3 महीने के अंदर घरेलू सिलेंडर 89 रुपए महंगा हो गया है। न्यूज एजेंसी के सूत्रों के अनुसार, तेल कंपनियों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ी ऊर्जा लागत और घरेलू बिक्री पर नुकसान के कारण कीमतें बढ़ानी पड़ी हैं।

होटल-रेस्टोरेंट के लिए कॉमर्शियल सिलेंडर 3,113.50 का हुआ

होटल और बिजनेस में इस्तेमाल होने वाले कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमतें हर महीने अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क के आधार पर खुद-ब-खुद बदलती हैं। पश्चिम एशिया संकट के दौरान 5 बार दाम बढ़ने के बाद दिल्ली में 19 किलोग्राम का कॉमर्शियल सिलेंडर 3,113.50 रुपए (करीब 164 रुपए प्रति किलोग्राम) पर बिक रहा है।

दुनिया में सबसे सस्ती कुकिंग गैस भारत में मिल रही

इस बीच सरकार का कहना है कि दुनिया भर में कच्चे तेल और गैस की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बीच भारतीय परिवारों को सबसे सस्ती कुकिंग गैस मिल रही है। भारत में घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत पड़ोसी देशों और अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया जैसी एडवांस इकोनॉमी के मुकाबले काफी कम है। वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ती लागत का बोझ सरकार खुद उठा रही है और इसे आम उपभोक्ताओं पर पास-ऑन नहीं होने दिया गया है।

उज्ज्वला लाभार्थियों को 642 रुपए में मिल रहा सिलेंडर

भारत में पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार से जुड़ी हुई हैं। इसके बावजूद सरकार घरेलू एलपीजी की कीमतों को नियंत्रित रखती है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को हर साल रिफिलिंग पर प्रति सिलेंडर 300 रुपए की अतिरिक्त सब्सिडी सीधे बैंक खाते में मिलती है।

लागत 1600 पार , सरकार उठा रही प्रति सिलेंडर 700 का बोझ

अंतरराष्ट्रीय बाजार में गैस की कीमतों में हुई बढ़ोतरी के बाद भारत में एक घरेलू एलपीजी सिलेंडर की सप्लाई लागत (कॉस्ट टू सप्लाई) 1,600 रुपए से ऊपर पहुंच गई है। इसका मतलब है कि सरकारी तेल कंपनियों को हर घरेलू सिलेंडर पर करीब 700 रुपए की अंडर-रिकवरी (नुकसान) हो रही है। इस अंडर-रिकवरी के अंतर को पब्लिक सेक्टर की ऑयल मार्केटिंग कंपनियां झेल रही हैं, जिसकी आंशिक भरपाई सरकार द्वारा की जाती है।

तृणमूल कांग्रेस के एक और नेता पर हमला

मदन मित्रा की कार पर फेंके गए अंडे, ड्राइवर को पीटा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में सरकार परिवर्तन के साथ ही ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेताओं को निशाना बनाया जाने लगा है। हाल ही में अभिषेक बनर्जी भीड़ के गुस्से का शिकार बने थे। अब खबर आ रही है कि कमरहाटी से टीएमसी विधायक मदन मित्रा की कार पर अंडे फेंके गए। शनिवार शाम को मित्रा अपने पार्टी ऑफिस में थे तो उन्हें खबर मिली कि बीजेपी समर्थकों ने वार्ड नंबर 14 के पार्षद पर हमला कर दिया है। यह सुनकर वे तुरंत उस इलाके में पहुंचे। वहां उनका सामना उपद्रवियों के एक समूह से हुआ। जब उन्होंने उनसे पूछा कि वे क्यों आए हैं तो वे आक्रामक हो गए और उनकी कार पर हमला कर दिया। ईंटें और अंडे फेंके। राहत की बात यह है कि हमले के समय मदन मित्रा गाड़ी के अंदर नहीं थे। आरोप है कि जैसे ही कार थोड़ी आगे बढ़ी ड्राइवर की पिटाई कर दी गई। बीजेपी समर्थकों के जमा होने से इलाके में तनाव फैल गया।

अंडों की बौछार और चोर-चोर के नारे

मदन मित्रा ने घटना पर टिप्पणी करते हुए कहा,मैं अपने ऑफिस में एक बैठक कर रहा था। तभी कमरहाटी के कुछ लोगों ने मुझे बताया कि कुछ लोग स्थानीय लोगों को डरा-धमका रहे हैं और

हमला हुआ है। मैंने कहा कि मैं दक्षिणेश्वर में बप्पा के ऑफिस जा रहा हूं। मैं वहां गया और जिन घरों पर हमला हुआ था उनकी जानकारी नोट कर रहा था। तभी कुछ लोग अचानक आए और मुझसे कहा,दादा 100-150 युवाओं का एक समूह ने केसरिया स्कार्फ पहन रखे हैं और जय श्री राम के नारे लगा रहे हैं। उनके इरादे अच्छे नहीं लग रहे हैं। उन्होंने उस कमरे का दो बार चक्कर लगाया है जहां मैं बैठा था।

करोड़ों कैश, पांच बंगले और 14 प्लॉट

'करप्शन किंग' निकला ओडिशा का इंजीनियर

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा में सतर्कता विभाग की कार्रवाई में एक हैरतअंगेज मामला सामने आया है। यहां पर मात्र 6 हजार महीने की सैलरी पाने वाले इंजीनियर के पास से करोड़ों का कैश मिला है।

इसके अलावा उसके पास प्रदेश में अलग-जगह जगों पर मकान और जमीन भी मिली हैं। यह इंजीनियर है बैकुंठनाथ बेहरा, जो कंधमाल जिले के बालीगुडा में एकीकृत जनजातीय विकास एजेंसी (आईटीडीए) के सहायक कार्यकारी के रूप में तैनात है। उनकी कानूनी आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने की शिकायतों के बाद यह तलाशी अभियान शुरू किया गया था। जांच में महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब परिवार से जुड़े बैंक लॉकरों से करीब 2 करोड़ रुपए कैश बरामद किया गया। इससे पहले, घर की छानबीन के दौरान 2.66 लाख रुपए से अधिक नकद जब्त हुआ था।

नौ जगहों पर छापेमारी

भुवनेश्वर के विशेष सतर्कता न्यायाधीश की ओर से जारी तलाशी वारंट के आधार पर विजिलेंस की टीमों ने भुवनेश्वर, बारीपदा, जाजपुर जिले के धर्मशाला और बालीगुडा में कुल नौ स्थानों पर एक साथ छापेमारी की। इस टीम में दो अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, पांच उप पुलिस अधीक्षक (डीएसपी), छह निरीक्षक और अन्य सहायक कर्मचारी शामिल रहे।

गौतम अडानी 1, मुकेश अंबानी 2

एशिया के सबसे अमीर लोगों की लिस्ट में बड़ा उलटफेर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी की संपत्ति बढ़कर 89.2 अरब डॉलर हो गई है। यह उन्हें एशिया में सबसे अमीर व्यक्ति बनाती है। फोर्ब्स की रियल-टाइम बिलेनियर्स लिस्ट में यह जानकारी दी गई। अडानी के बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) के चेयरमैन मुकेश अंबानी 88 अरब डॉलर के साथ

दूसरे नंबर पर हैं। सॉफ्टबैंक के मासायोशी सोन को 87 अरब डॉलर के साथ तीसरा पायदान मिला है। सोन गुरुवार को जापानी निवेश फर्म के शेयरों में गिरावट से पहले एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति थे।

हिंडनबर्ग के आरोपों के बाद आई थी गिरावट

अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च ने 2023 में अडानी पर स्टॉक में हेरफेर और व्यापक धोखाधड़ी का आरोप लगाया था। हालांकि, भारतीय नियामकों ने पिछले साल इन दावों को खारिज कर दिया था। कहा था कि आरोप सिद्ध नहीं हुए। उन्हें अमेरिका में भी आरोपों का सामना करना पड़ा था। ये अब समाप्त हो चुके हैं।

कानूनी चुनौतियों से उबर चुका है अडानी ग्रुप

अरबपति उद्योगपति ने पिछले महीने शेयरधारकों को लिखे अपने वार्षिक पत्र में कहा कि अडानी समूह अमेरिकी कानूनी चुनौतियों से उबर चुका है। ऊर्जा, परिवहन, लॉजिस्टिक्स और डिजिटल बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ा रहा है। इससे वह एआई आधारित विकास की बढ़ती मांग से फायदा उठाने के लिए तैयार है। उन्होंने समूह की प्रमुख कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज के हालिया 24,930 करोड़ रुपये के राइट्स इश्यू की सफलता को निवेशकों का विश्वास बताया।

उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम पर समझौते का सवाल नहीं

- किम की बहन ने दिखाए तेवर, बोलीं-अमेरिका सपना देख रहा

प्योंगयांग (एजेंसी)। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की बहन ने देश के परमाणु हथियार कार्यक्रम पर किसी समझौते की संभावना से इनकार कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सख्त मैसेज देते हुए उत्तर कोरिया की सीनियर अधिकारी किम यो ने कहा कि परमाणु शक्ति के रूप में हमारी स्थिति पर कोई बातचीत नहीं होगी। हम अमेरिका को बताना चाहते हैं कि उत्तर कोरिया किसी भी तरह की धमकी बर्दाश्त नहीं करेगा।

बैठक से पहले ही इंडिया गठबंधन में रार

डीएमके-एएपी का बहिष्कार,बैठक से कर लिया किनारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोमवार को होने वाली इंडिया ब्लॉक की बैठक में सीपीआई (एम) का प्रतिनिधित्व पार्टी के राज्यसभा नेता जॉन ब्रिटास करेंगे। हालांकि, केरल विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान लगे आरोपों को लेकर पार्टी अभी भी कांग्रेस की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रही है। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने सूत्रों के हवाले

से बताया कि सीपीआई (एम) के महासचिव एम.ए. बेबी ने हाल ही में कांग्रेस अध्यक्ष खरगे को पत्र लिखकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की उन टिप्पणियों पर स्पष्टीकरण मांगा है, जिनमें केरल में सीपीआई (एम) और बीजेपी के बीच राजनीतिक समझ होने का संकेत दिया गया था।

गठबंधन की भावना के खिलाफ आरोप

लेटर की कॉपी इंडिया ब्लॉक के दूसरे हिस्सों के साथ भी शेयर की गई थी, जिसमें कहा गया था कि ऐसे आरोप विपक्षी गठबंधन की सहयोग की भावना के खिलाफ हैं। लेफ्ट पार्टी ने कहा है कि वह इस मामले पर कांग्रेस से सफाई का इंतजार कर रही है। सीपीआई (एम) के सूत्रों ने कहा कि पार्टी को अभी तक कांग्रेस से कोई जवाब नहीं मिला है और उम्मीद है कि ब्रिटास मीटिंग में इस मुद्दे को उठाएंगे।

मुद्दे को लेकर दोनों दलों में विवाद

इस बातचीत में, बेबी ने चिंता जताई थी कि राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और खरगे समेत कांग्रेस नेताओं के आरोप चुनावी आलोचना से कहीं आगे थे, जिससे बीजेपी को मिलकर चुनौती देने के लिए बने गठबंधन के कामकाज पर सवाल खड़े हो गए। केरल विधानसभा चुनावों के बाद से ही यह मुद्दा दोनों पार्टियों के बीच विवाद का विषय रहा है। विपक्षी इंडिया गठबंधन के वरिष्ठ नेता सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में बैठक करेंगे। इस बैठक में बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार का मुकाबला करने और विपक्ष की एकजुटता को मजबूत करने की साझा रणनीति पर चर्चा की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

पति से विवाद के बाद युवती पुल पर पहुंची, नदी में कूदने की कर रही थी तैयारी, होमगार्ड जवानों ने बचाया

हाजीपुर। वैशाली में हाजीपुर-पटना को जोड़ने वाले पुराने गंडक पुल पर एक युवती को आत्महत्या करने से बचाया गया। युवती पुल से नदी में छलांग लगाने की तैयारी में थी, तभी होमगार्ड के दो जवानों ने उसे रोक लिया। सोनपुर के परमानंदपुर की रहने वाली खुशबू कुमारी अपने पति के साथ हाजीपुर में रहती है। बताया गया कि खुशबू ने प्रेम विवाह किया है और पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। विवाद के बाद खुशबू आत्महत्या करने के इरादे से पुराने गंडक पुल पर पहुंच गई। हालांकि, नदी में कूदने से पहले ही होमगार्ड के जवान मौके पर पहुंच गए और उसे पकड़कर चेक पोस्ट ले आए। इसी दौरान युवती का पति भी वहां पहुंच गया। काफी समझाने-बुझाने के बाद खुशबू अपने पति के साथ घर लौट गई। हालांकि, पति-पत्नी के बीच विवाद का सटीक कारण सामने नहीं आया है। होमगार्ड जवानों की सतर्कता और राहगीरों की सक्रियता से एक युवती की जान बचाई जा सकी।

सोनपुर में कटाव रोधी कार्य के विरोध में धरना, ग्रामीणों ने ली जल समाधि, रिंग बांध की मांग

हाजीपुर। सोनपुर में गंगा किनारे चल रहे कटाव रोधी कार्य में कथित अनियमितता के विरोध में रविवार को नया बाजार घाट पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया। "रिंग बांध बनाओ संघर्ष समिति" के बैनर तले आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण, महिलाएं और युवा शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने सांकेतिक जल समाधि भी ली। सुबह 7 बजे से ही लोगों का जुटना शुरू हो गया था। इस दौरान जोगीरा गायन, ग्रामीणों को संबोधित करना और मानव श्रृंखला बनाना जैसे कार्यक्रम हुए। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि कटाव

रोधी बोल्डर पिचिंग कार्य में गंभीर अनियमितताएं बरती जा रही हैं, जिससे गंगा कटाव का खतरा लगातार बढ़ रहा है। धरना को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते मजबूत रिंग बांध और गुणवत्तापूर्ण कटाव रोधी कार्य नहीं किया गया, तो क्षेत्र के कई गांवों पर संकट गहरा सकता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से इस कार्य की निष्पक्ष जांच और स्थायी समाधान की मांग की। प्रदर्शन के दौरान "जब तक हक की लड़ाई अधूरी है, तब तक संघर्ष हमारा जारी है" जैसे नारे लगाए गए। संघर्ष समिति ने यह भी चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

अवैध मिट्टी खनन पर विभाग की छापेमारी, 3 ट्रैक्टर किया जब्त, ड्राइवर और जेसीबी मशीन को मौके पर छोड़ा

हाजीपुर। वैशाली के महनार थाना क्षेत्र में अवैध मिट्टी खनन को लेकर एक बड़ा मामला सामने आया है। खनन विभाग की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर तीन ट्रैक्टर, एक जेसीबी और एक मोटरसाइकिल जब्त की। हालांकि, इस कार्रवाई के तरीके पर कई सवाल उठ रहे हैं। भारतेंदु नगर गांव में पहुंची खनन विभाग की टीम ने मौके पर अवैध मिट्टी खनन करते हुए इन वाहनों को पकड़ा। छापेमारी की भनक लगते ही कथित खनन माफिया मौके से फरार हो गए। कार्रवाई के दौरान घटनास्थल पर काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। स्थानीय लोगों का

आरोप है कि कार्रवाई के बाद खनन विभाग की टीम और खनन से जुड़े लोगों के बीच काफी देर तक बातचीत चलती रही। आरोप है कि करीब एक घंटे तक चले इस घटनाक्रम के बाद विभाग की टीम केवल तीन ट्रैक्टरों को अपने साथ ले गई, जबकि ट्रैक्टर चालकों और जेसीबी मशीन को मौके पर ही छोड़ दिया गया। अवैध मिट्टी खनन से जुड़े एक व्यक्ति ने फोन पर बातचीत में दावा किया कि महनार क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध मिट्टी खनन होता है। उसने यह भी आरोप लगाया कि खनन विभाग की कार्रवाई चयनात्मक होती है और कुछ लोगों को ही निशाना बनाया जाता है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। यह सवाल उठ रहा है कि जब जेसीबी और अन्य वाहन मौके पर पकड़े गए थे, तो उन्हें क्यों छोड़ा गया? क्या यह कार्रवाई विभागीय नियमों के तहत की गई, या इसमें कोई अन्य कारण है? इन सवालों का जवाब खनन विभाग की आधिकारिक प्रतिक्रिया के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा।

हाजीपुर में मेधावी छात्र सम्मान समारोह आयोजित, विधायक अवधेश सिंह ने छात्रों को सम्मानित किया

हाजीपुर। हाजीपुर में रविवार को जढ़ूआ ब्रह्मस्थान के समीप कुम्हार (प्रजापति) समन्वय समिति ने मेधावी छात्र सम्मान समारोह का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में हाजीपुर के विधायक अवधेश सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। समारोह के दौरान मैट्रिक, इंटरमीडिएट और अन्य परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र और सम्मान देकर प्रोत्साहित किया गया। विधायक अवधेश सिंह ने अपने संबोधन में छात्रों से निरंतर मेहनत और लगन के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कई छात्र-छात्राएं मैट्रिक या इंटर पास करने के बाद पढ़ाई छोड़ देते हैं, जबकि सफलता के लिए लगातार प्रयास करना आवश्यक है। विधायक ने छात्रों को जिस भी क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहते हैं, उसमें पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ मेहनत करने की सलाह दी। विधायक सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि गरीबी या आर्थिक स्थिति कभी भी प्रतिभा के मार्ग में बाधा नहीं बन सकती। उन्होंने छात्रों से यह सोच छोड़ने को कहा कि वे गरीब परिवार, गरीब राज्य या गरीब देश से आते हैं। उनके अनुसार, प्रतिभा किसी भी परिस्थिति की मोहताज नहीं होती। शिक्षा ही वह सबसे बड़ा हथियार है, जिसके माध्यम से गरीबी और सामाजिक पिछड़ेपन पर विजय प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने छात्रों को माता-पिता के सम्मान का महत्व भी समझाया। विधायक ने कहा कि जीवन में चाहे जितनी बड़ी सफलता हासिल कर लें, अपने माता-पिता का सम्मान कभी नहीं भूलना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि जब बच्चे शिक्षा और मेहनत के बल पर सफलता प्राप्त करते हैं, तो समाज भी उनके परिवार का सम्मान करने लगता है। इस अवसर पर उन्होंने राज्य एवं केंद्र सरकार की विभिन्न शिक्षा और महिला सशक्तिकरण योजनाओं का भी उल्लेख किया। विधायक ने कहा कि सरकार चाहती है कि बेटियां हर क्षेत्र में आगे बढ़ें और देश-समाज का नाम रोशन करें। उन्होंने छात्रों को हाल ही में चर्चा में रहे 'ऑपरेशन सिंदूर' का स्मरण कराते हुए देशभक्ति, अनुशासन और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, अभिभावक, समाज के गणमान्य लोग और समिति के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

गैस नहीं मिलने पर सड़क जाम, लोगों ने सिलेंडर रखकर किया प्रदर्शन, हाजीपुर-महुआ मार्ग बाधित

हाजीपुर। हाजीपुर-महुआ मुख्य मार्ग पर स्थित सुभई चौक के पास लोगों ने सड़क जाम कर दिया। यह प्रदर्शन गैस की अनुपलब्धता के विरोध में किया गया, जिससे सुबह से ही यातायात बाधित हो गया। सड़क जाम के कारण वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और आवागमन पूरी तरह से प्रभावित हो गया। जाम में फंसे लोग काफी परेशान दिखे। सूचना मिलने पर सदर थाने की पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने आक्रोशित लोगों को समझा-बुझाकर जाम हटवाने का प्रयास किया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि उन्हें गैस के लिए एजेंसी के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, लेकिन गैस उपलब्ध नहीं कराई जा रही है। उन्होंने डिलीवरी करने वाले वाहन पर सवार एजेंसी कर्मियों पर मनमानी का आरोप लगाया। लोगों ने बताया कि गैस न मिलने के कारण उनके दैनिक कामकाज में परेशानी हो रही है और बच्चों के लिए समय पर खाना बनाना मुश्किल हो गया है। इसी परेशानी के चलते लोग सड़क पर उतरने को मजबूर हुए। आक्रोशित लोगों ने हाजीपुर-महुआ मुख्य मार्ग पर गैस सिलेंडर रखकर जाम कर दिया था। काफी मशक्कत के बाद सदर थाने के पुलिस अधिकारियों द्वारा जाम को हटाया जा सका।

अस्पताल की 5वीं मंजिल से गिरा आईटीबीपी दरोगा, मौत

पटना में इलाज के लिए भर्ती थे, बाथरूम का दरवाजा अंदर में बंद था, छपरा में थी पोस्टिंग

एजेंसी, पटना

पटना के दीघा थाना क्षेत्र स्थित एशियन सिटी हॉस्पिटल में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP) के एक दरोगा की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। घटना के बाद अस्पताल परिसर में हड़कंप मच गया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मृतक की पहचान विजय सिंह (44) के रूप में हुई है, जो राजस्थान के भरतपुर जिले के रहने वाले थे। बताया जा रहा है कि वो ITBP में कार्यरत थे और वर्तमान में छपरा के जलालपुर स्थित कैंप में पोस्टेड थे। घटना का एक सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें विजय सिंह ऊपर से नीचे गिरते दिख रहे है। घटना के बाद लोगों की भीड़ जुट गई

और पुलिस को मामले की सूचना दी। दीघा थाने की पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में शुरू कर दी है।

अस्पताल में भर्ती थे, वॉशरूम गए, फिर हुई घटनाः बताया जा रहा है कि ITBP जवान विजय सिंह की तबीयत खराब होने के बाद 3 जून को उन्हें इलाज के लिए एशियन सिटी हॉस्पिटल लाया गया था। उनका इलाज चल रहा था। इसी दौरान रविवार को जवान 5वीं मंजिल पर वॉशरूम गया और छलांग लगा दी। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने पांचवीं मंजिल पर भी पहुंची, जहां वॉशरूम का दरवाजा अंदर से बंद था। ऐसे में जवान के खिड़की से गिरने या फिर छलांग लगाने की जाहिर की जा रही है।

FSL टीम को बुलाया गयाः घटना की सूचना मिलते ही दीघा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (FSL) की टीम को भी जांच के लिए बुलाया गया है, जो घटनास्थल से साक्ष्य जुटा रही है। दीघा थाने के दरोगा सुजीत कुमार ने बताया कि दिन के 12:30 बजे के करीब घटना की सूचना मिली। मौके पर पहुंचकर CCTV फुटेज मिला, जिसकी जांच की जा रही है।

सभी पहलुओं से जांचः पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मौत के कारणों का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। अस्पताल के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और अस्पताल कर्मियों से पूछताछ की जा रही है। फिलहाल, शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

27 जिलों में 9 जून तक बारिश का यलो अलर्ट

एजेंसी, पटना

बिहार के 27 जिलों में 7 से 9 जून तक बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार इन जिलों में करीब 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी। आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका है। राज्य में इन दिनों मौसम का दोहरा रूप देखने को मिल रहा है। राज्य के कई जिलों में एक ओर जहां बारिश हो रही है, वहीं कुछ जिलों में अब भी भीषण गर्मी का असर बना हुआ है। पिछले 24 घंटे के दौरान रोहतास के डेहरी में राज्य का सबसे अधिक तापमान 43.6 दर्ज किया गया। इसके अलावा बक्सर, कैमूर, छपरा और पटना समेत कई जिलों में भी तापमान सामान्य से ऊपर रहा। वहीं इस दौरान आकाशीय बिजली से जमुई, मुंगेर, बांका और बक्सर में एक-एक लोगों की मौत हुई है।

बिहार में एक तरफ तेज धूप और दूसरी तरफ बारिशः मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार बिहार के अलग-अलग हिस्सों में मौसम की स्थिति एक जैसी नहीं है। उत्तर और पूर्वी बिहार में बंगाल की खाड़ी से

♦ **डेहरी का पारा 44 के करीब पहुंचा, बिजली गिरने से 4 लोगों की मौत**

आने वाली नम हवाओं का प्रभाव बढ़ रहा है, जिससे बादल बन रहे हैं और बारिश हो रही है। वहीं दक्षिण-पश्चिम बिहार के कुछ हिस्सों में अभी भी गर्म और शुष्क हवाओं का असर बना हुआ है। यही कारण है कि एक ओर किशनगंज, अररिया, पूर्णिया और दरभंगा जैसे इलाकों में बारिश हो रही है, जबकि दूसरी ओर रोहतास, कैमूर और बक्सर में तापमान ज्यादा है।

राबड़ी आवास के बाहर डटे हैं राजद कार्यकर्ता, सुरक्षा में कटौती पर सियासत जारी

एजेंसी, पटना

पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के सरकारी आवास पर के कार्यकर्ताओं का जुटान जारी है। कार्यकर्ता कल से ही आवास के बाहर डटे हुए हैं। लालू परिवार की सुरक्षा में कटौती के फैसले को लेकर समर्थकों में नाराजगी देखी जा रही है। सरकार की ओर से लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव की सुरक्षा व्यवस्था में बदलाव किए जाने के बाद विवाद और गहरा गया है। बीते दिन नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और राबड़ी यादव ने अपनी Y+ श्रेणी की सुरक्षा वापस कर दी थी। राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव आज सिंगापुर से पटना लौट सकते हैं। बता दें कि वो 30 मई को सिंगापुर पहुंचे थे जहां पर अपने किडनी से जुड़े रुटीन चेकअप के लिए वह वहां गए थे। इन सब के बीच दिल्ली में लालू प्रसाद यादव का पहला बयान सामने आया। सुरक्षा

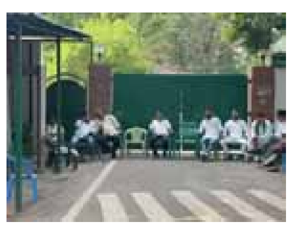

❐ **लालू यादव बोले- जो करना है करने दीजिए, हमको मतलब नहीं**

घटाने और राबड़ी आवास खाली करने को लेकर लालू यादव ने कहा कि सब पागल हो गए हैं। यह घृणा है, हमको कोई मतलब नहीं है जो करना है कर लीजिए। इधर, राबड़ी देवी कौटिल्य नगर वाले घर पहुंचीं। घूम-घूमकर निरीक्षण किया। घर के अंदर चल रहे कार्यों का जायजा लिया। बताया जा रहा कि 15 दिनों से पहले ही कौटिल्य नगर आवास में पूरा लालू परिवार शिफ्ट हो सकता है।

'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम, साइकिल रैली, इनकम टैक्स गोलंबर से निकले साइकिल प्रेमी

एजेंसी, पटना

विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर आज "फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को फिटनेस, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। पटना के इनकम टैक्स गोलंबर से सुबह-सुबह ही बड़ी संख्या में युवा, विद्यार्थी, खेल प्रेमी और विभिन्न वर्गों के लोग इस साइकिल रैली में शामिल होने के लिए पहुंचे थे। प्रतिभागियों ने उत्साह के साथ साइकिल चलाकर फिट और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया।

हर संडे को हम आधा घंटा साइकिल चलाएंः विधायक रत्नेश कुशवाहा भी इस साइकिल रैली में शामिल होने के लिए पहुंचे थे। उन्होंने

कहा कि, 'आज साइकिल दिवस के अवसर पर संडे और साइकिल कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। अपने जीवन में संकल्प लें कि हर रविवार को साइकिल चलाएंगे, इससे स्वास्थ्य में सुधार होगा। इससे यह संदेश भी जाएगा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मानसिक अवस्था बनती है। जब आप स्वस्थ रहेंगे, तभी समाज में सहभागिता कर सकते हैं। हमें ये संकल्प लेना चाहिए कि हर संडे को हम आधा घंटा साइकिल चलाएंगे।

पीएम ने कहा था- आपकी उम्र कोई भी हो, आपको फिट रहना हैः बिहार ओलंपिक

❐ **रत्नेश कुशवाहा बोले-स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन**

एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय कुमार ने कहा कि, 'आज साइकिल रैली का आयोजन किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट संदेश दिया है कि आपकी उम्र कोई भी हो, आपको फिट रहना है, पूरे देश को फिट रहना है।' 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया एक राष्ट्रव्यापी फिटनेस अभियान है। इसका उद्देश्य साइकिल चलाने को लेकर कार्डियोवैस्कुलर स्वास्थ्य में सुधार करना और युवाओं के बीच बढ़ते मोटापे की समस्या से निपटना है।

पटना में खान सर के कोचिंग-हॉस्पिटल में फायर सेफ्टी जांच, कई गंभीर कमियां मिलीं

एजेंसी, पटना

खान ग्लोबल स्टडीज कोचिंग के संस्थापक खान सर फायरिंग मामले पहले से मुश्किल में है। उन्हें गिरफ्तार करने के लिए पुलिस लगातार कोशिश कर रही है। इस बीच पटना स्थित खान सर की कोचिंग सेंटर और हॉस्पिटल में फायर सेफ्टी व्यवस्था की जांच के लिए रविवार को फायर सेफ्टी डिपार्टमेंट की ऑडिट टीम ने निरीक्षण किया। जांच के दौरान कोचिंग संस्थान और हॉस्पिटल में अग्नि सुरक्षा मानकों से जुड़ी कई गंभीर कमियां पाई गईं। इसके बाद विभाग ने कोचिंग और अस्पताल प्रबंधन को आवश्यक सुधार के लिए 7 से 10 दिन का समय दिया गया है। फायर सेफ्टी विभाग ने स्पष्ट किया है कि यदि निर्धारित समय के भीतर कमियों को दूर नहीं किया गया तो नियमानुसार आगे की कार्रवाई की

जाएगी।

एक सप्ताह में सुधार का निर्देशः फायर सेफ्टी विभाग ने कोचिंग प्रबंधन को एक सप्ताह के भीतर सभी जरूरी सुरक्षा मानकों को पूरा करने का निर्देश दिया है। अधिकारियों का कहना है कि बड़ी संख्या में छात्र प्रतिदिन संस्थान में आते हैं, इसलिए अग्नि सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

कमियों को दूर नहीं किया तो कार्रवाई तयः अग्निशमन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, यह

♦ **फायर कमांडेंट बोले-एक सप्ताह में कमियां दूर करें, नहीं तो कार्रवाई होगी**

संस्थान का दूसरा फायर ऑडिट था। पहले निरीक्षण के दौरान भी कई सुझाव दिए गए थे, लेकिन अब तक उन पर संतोषजनक अमल नहीं किया गया है। विभाग निर्धारित समय सीमा के बाद दोबारा निरीक्षण करेगा। यदि कमियों को दूर नहीं किया गया तो नियमों के तहत कार्रवाई की जा सकती है।

पटना- पीएमसीएच लैब टेक्नीशियन स्टूडेंट का मिला शव

एजेंसी, पटना

पटना में एक बिल्डिंग से PMCH में लैब टेक्नीशियन की पढ़ाई कर रहे छात्र का शव बरामद हुआ है। उसकी बॉडी फंदे से लटकी थी। मृतक की पहचान गुड्डू राजा के रूप में हुई है। वह मूल रूप से मुजफ्फरपुर का रहने वाला था। गुड्डू PMCH के आई डिपार्टमेंट में लैब टेक्नीशियन कोर्स का छात्र था। उसने सत्र 2025-27 में नामांकन लिया था। घटना बुद्धा कॉलोनी थाना क्षेत्र के गौरैया स्थान स्थित हीरा चंद्र झा के मकान की है, जहां वह किराए पर रहता था।

कमरे से एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें लिखा है, "मेरा सफर अब यहीं तक था।" हालांकि, परिजनों ने छात्र की हत्या की आशंका जताई है। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए PMCH भेज दिया है।

रुपयों के लेनदेन को लेकर

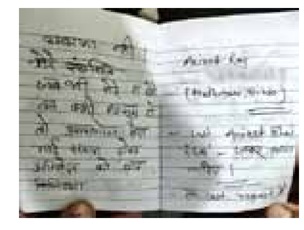

हत्या का आरोपः मृतक गुड्डू राजा के पिता नरेश राय, जो एक सरकारी स्कूल में शिक्षक हैं, ने बेटे की हत्या की आशंका जताई है। उन्होंने बताया कि गुड्डू 4 जून को घर से पटना लौटा था।

वह पांच बहनों के बीच इकलौता भाई था। 13 मई को उसकी बहन की शादी थी, जिसमें शामिल होने के लिए वह घर गया था। नरेश राय ने आरोप लगाया कि उन्हें बेटे की मौत की जानकारी घटना के करीब 24 घंटे बाद मकान मालिक ने दी। उनके अनुसार, गुड्डू का अपने दो दोस्तों अनिकेत और नीरज के साथ पैसों का लेनदेन था।

सड़क हादसा, दो युवकों की मौत, गोविंदपुर में अज्ञात गाड़ी ने मारी टक्कर

एजेंसी, पटना

पटना के फुलवारी शरीफ में गोविंदपुर मुख्य मार्ग पर शनिवार देर रात हुए एक सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान गोविंदपुर निवासी कुमार रवि (23) और सोनित कुमार (18) के रूप में हुई है। इस घटना से दोनों परिवारों में मातम छा गया है।

सब्जी खरीदकर घर लौटते समय हादसाः पुलिस के अनुसार, कुमार रवि और सोनित कुमार शनिवार शाम खगौल से सब्जी खरीदकर बाइक से अपने घर लौट रहे थे। गोविंदपुर मुख्य मार्ग पर किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को इलाज के लिए पटना एम्स के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया। हालांकि, डॉक्टरों ने इलाज के दौरान दोनों युवकों को मृत घोषित कर

दिया। हादसे से ठीक एक दिन पहले शुक्रवार शाम को कुमार रवि ने अपने परिवार के साथ जन्मदिन मनाया था। परिवार के सदस्यों ने बताया कि रवि के पिता विपिन कुमार मिश्रा आईसीएआर में टेक्नीशियन के पद पर कार्यरत हैं। रवि अपने दो भाइयों में इकलौता बेटा था और उसकी शादी की बातचीत चल रही थी। नवंबर माह में विवाह की तैयारियां शुरू होने वाली थीं। वहीं, दूसरे मृतक सोनित कुमार ने हाल ही में इंटर की परीक्षा पास की थी। वह आगे की पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में जुटा हुआ था। सोनित मूल रूप से पश्चिम चंपारण का निवासी था और उसके पिता हरि लाल राम विपार्ड में चालक के पद पर कार्यरत हैं।

पटना नगर निगम ने 'वार्ड फाइंडर' फीचर को किया अपडेट

एक क्लिक पर वार्ड संख्या, अधिकारियों का नंबर डिस्प्ले, डिजिटल मैप में बनी बाउंड्री

एजेंसी, पटना

पटना नगर निगम ने अपने ऐप के 'वार्ड फाइंडर' फीचर को लेकर कई अपडेट किए हैं। जैसे ही लोग 'फाइंड योर वार्ड' के लिए अपने लोकेशन पर क्लिक करेंगे तो उनके वार्ड से जुड़े सभी अधिकारी के नंबर, नाम के साथ स्क्रीन पर डिस्प्ले कर दिए जाएंगे। यानी अब एक क्लिक पर लोग वार्ड पार्षद और अधिकारियों का नंबर प्राप्त कर सकेंगे। किसी भी समस्या का समाधान लोग घर बैठे ही कर सकेंगे।

व्हाट्सएप चैट बॉट सर्विस में पूछ सकते सवालः इसमें वार्ड संख्या के साथ एग्जीक्यूटिव ऑफीसर, सिटी मैनेजर, एग्जीक्यूटिव इंजीनियर, असिस्टेंट इंजीनियर, CSI और SI का नंबर डिस्प्ले हो जाएगा। इसके साथ ही नीचे व्हाट्सएप चैट बॉट सर्विस का भी ऑप्शन दिया गया है। निगम के प्रॉपर्टी टैक्स या फिर किसी भी तरह के शिकायत को लेकर जैसे ही क्लिक करेंगे वह लिंक यूजर को सीधे

व्हाट्सएप में ले जाएगा और वहां वह अपनी समस्या रख सकते हैं या कोई भी सवाल पूछ सकते हैं।

डिजिटल मैप में हर वार्ड की अपनी एक बाउंड्री बनाई गईः इसके साथ ही नीचे पटना नगर निगम वार्ड मैप का भी फीचर दिया गया है। अपने वार्ड नंबर पर क्लिक करते ही लोग यह देख सकेंगे कि उनके वार्ड एरिया कितने क्षेत्र में फैला हुआ है। हर वार्ड की अपनी एक बाउंड्री बनाई गई है जिसे लाल रंग से दिखाया गया है। लोग अपने वार्ड को देखने के लिए जूमि इन, जूम आउट भी कर सकते हैं। इसके साथ ही अपने व्यू को रिसेट करके वह दूसरे वार्ड के भी बाउंड्री को देख सकते हैं। हालांकि, अभी इस मैप में पूरी तरह से जगह के बारे में जानकारी नहीं दी गई है, जिसे अभी और अपडेट होना बाकी है।

नालों से लेकर सड़कों का देख सकेंगे डिजिटल रिकॉर्डः पटना नगर निगम सारा काम पूरा हो जाने पर इस ऐप को जल्द ही लॉन्च करेगा। नगर निगम की यह पहल "डिजिटल पटना" के विज़न को साकार करने की दिशा में एक कदम है। इस ऐप की मदद से लोग शहर की सड़कों, नालों, पाइपलाइन, पार्क, शौचालय, श्मशान घाट, पार्किंग और अन्य संपत्तियों का पूरा डिजिटल रिकॉर्ड देख सकेंगे। इसके साथ ही नागरिक किसी भी वार्ड में नजदीकी शौचालय, पार्किंग, निगम कार्यालय, श्मशान घाट, आदि की जानकारी प्राप्त कर सकता है।

संक्षिप्त समाचार

दुधियावा-सरेया सड़क पर उत्पाद विभाग की बड़ी कार्रवाई, 8.640 लीटर विदेशी शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले में उत्पाद विभाग की टीम ने अवैध शराब कारोबार के खिलाफ विशेष अभियान चलाते हुए दो युवकों को विदेशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 8.640 लीटर विदेशी शराब बरामद की तथा तस्करी में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली। प्राप्त जानकारी के अनुसार, उत्पाद विभाग को सूचना मिली थी कि दुधियावा-सरेया सड़क मार्ग से मोटरसाइकिल के जरिए अवैध शराब की खेप ले जाई जा रही है। सूचना के आधार पर उत्पाद थाना की टीम ने उक्त मार्ग पर घेराबंदी कर सघन वाहन जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान एक मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक संदिग्ध अवस्था में दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रोककर तलाशी ली तो उनके पास से 8.640 लीटर विदेशी शराब बरामद हुई। इसके बाद दोनों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान पहाड़पुर थाना क्षेत्र के सरेया अहीर टोली निवासी बुलेट कुमार (24 वर्ष), पिता- विद्यार्थी यादव एवं अरुण कुमार यादव (23 वर्ष), पिता- गोपाल यादव के रूप में हुई है। उत्पाद विभाग की इस कार्रवाई से क्षेत्र में सक्रिय शराब तस्करों के बीच हड़कंप मच गया है। बरामद शराब और जब्त मोटरसाइकिल को विभागीय अभिरक्षा में रखा गया है। पुलिस ने दोनों आरोपितों के विरुद्ध बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। अधिकारियों के अनुसार गिरफ्तार युवकों से पूछताछ की जा रही है ताकि शराब तस्करी के नेटवर्क और इससे जुड़े अन्य लोगों की पहचान कर उनके विरुद्ध भी कार्रवाई की जा सके। मामले में अग्रेतर कानूनी प्रक्रिया जारी है।

फर्जी नंबर और इंजन लगाकर चोरी की बाइक बेचने का खेल उजागर, एक गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी/कोटवा। कोटवा थाना क्षेत्र में चोरी की नई मोटरसाइकिल को पुरानी बाइक का रूप देकर बेचने के गोरखधंधे का पुलिस ने खुलासा किया है। मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जबकि पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि जय बजरंगबली ऑटो स्पेयर पार्ट्स में चोरी की नई बाइक का रंग-रूप बदलकर उस पर फर्जी रजिस्ट्रेशन नंबर और इंजन नंबर लगाया जा रहा है। सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने छापेमारी की और एक लाल रंग की अपाची मोटरसाइकिल बरामद की। जांच के दौरान हाईटेक डिवाइस (HHD मशीन) से मोटरसाइकिल का सत्यापन किया गया। मशीन में बाइक का रंग ग्रे दर्शाया गया, जबकि मौके पर बरामद बाइक लाल रंग की मिली। इसके अलावा चेसिस नंबर और इंजन नंबर में भी गड़बड़ी पाई गई। जांच में स्पष्ट हुआ कि मोटरसाइकिल चोरी की है और उसकी पहचान छिपाने के लिए फर्जीवाड़ा किया गया था। इस मामले में पुलिस ने दीपउ निवासी अनिल कुमार यादव, पिता हरींद्र राय, थाना-कोटवा को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ के आधार पर पुलिस पूरे नेटवर्क की जानकारी जुटाने में लगी है। आशंका जताई जा रही है कि चोरी की बाइकों को नया रूप देकर बेचने का यह संगठित गिरोह हो सकता है। पुलिस का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है तथा इस धंधे से जुड़े अन्य लोगों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। बरामद मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया गया है और आरोपी के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है।

हरसिद्धि प्रमुख चुनावः बंद मोबाइलों ने बढ़ाया सस्पेंस, 10 जून को होगा शक्ति परीक्षण

बीएनएम @ हरसिद्धि। प्रखंड प्रमुख पद के लिए 10 जून को होने वाले चुनाव से पहले हरसिद्धि की राजनीति पूरी तरह गरमा गई है। चुनावी बिसात बिछ चुकी है और पंचायत समिति सदस्यों की भूमिका सबसे अहम हो गई है। इसी बीच कई पंचायत समिति सदस्यों के मोबाइल फोन बंद मिलने से राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का बाजार गर्म है। कोई इसे चुनावी रणनीति बता रहा है तो कोई संभावित जोड़-तोड़ से जोड़कर देख रहा है। प्रमुख पद की दौड़ में पूर्व प्रमुख जानकी देवी और पूर्व प्रमुख चंदा देवी आमने-सामने मानी जा रही हैं। दोनों खेमे अपनी-अपनी जीत के दावे कर रहे हैं और समर्थकों को एकजुट रखने की कवायद तेज कर दी गई है। चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, वैसे-वैसे राजनीतिक गतिविधियां भी तेज होती जा रही हैं। सूत्रों के अनुसार पंचायत समिति सदस्यों को अपने पक्ष में बनाए रखने के लिए लगातार बैठकों और संपर्क अभियानों का दौर चल रहा है। हालांकि कोई भी पक्ष अपने पत्ते खोलने को तैयार नहीं है। ऐसे में बंद मोबाइल और सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आ रहे कई सदस्यों ने चुनाव को और भी रोमांचक बना दिया है। स्थानीय राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इस बार का चुनाव सिर्फ प्रमुख पद का चुनाव नहीं, बल्कि प्रखंड की राजनीतिक दिशा तय करने वाला मुकाबला भी साबित हो सकता है। दोनों उम्मीदवारों की अपनी-अपनी राजनीतिक पकड़ और समर्थक आधार है, जिसके कारण मुकाबला कांटे का माना जा रहा है। फिलहाल जीत-हार के तमाम दावों और कयासों के बीच एक बात स्पष्ट है कि हरसिद्धि की राजनीति की नजर अब 10 जून पर टिकी हुई है। मतदान के दिन ही यह साफ हो पाएगा कि पंचायत समिति सदस्यों का भरोसा किस उम्मीदवार के साथ है और प्रमुख की कुर्सी पर आखिरकार किसका कब्जा होता है।

घूम रहे प्रेमी युगल को सूचना पर पुलिस ने पकड़ा, परिजनों की सहमति के बाद निकाह की तैयारी

बीएनएम @ तुरकौलिया। थाना क्षेत्र में एक प्रेमी युगल को सूचना के आधार पर पुलिस ने पकड़कर थाना लाया। दोनों युवक-युवती तुरकौलिया के निवासी हैं और एक ही समुदाय से संबंध रखते हैं। युवक तुरकौलिया पूर्वी पंचायत के एक गांव का रहने वाला है, जबकि युवती तुरकौलिया मध्य पंचायत के एक गांव की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, दोनों के बीच पिछले कुछ महीनों से प्रेम संबंध था। रविवार को दोनों को साथ घूमते देख किसी व्यक्ति ने डायल 112 पर सूचना दे दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को पकड़कर तुरकौलिया थाना ले आई। थानाध्यक्ष संपत कुमार ने बताया कि पूछताछ के दौरान दोनों ने स्वयं को प्रेमी-प्रेमिका बताया तथा निकाह करने की इच्छा जताई। इसके बाद दोनों के परिजनों को थाना बुलाया गया। परिजनों ने भी निकाह पर सहमति जताई और किसी प्रकार की आपत्ति नहीं होने की बात कही। थानाध्यक्ष ने बताया कि युवक और युवती दोनों बालिग हैं तथा किसी भी पक्ष की ओर से कोई लिखित आवेदन नहीं दिया गया है। आवेदन मिलने पर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, दोनों परिवारों की सहमति के बाद रविवार रात ही निकाह की तैयारी की जा रही है। परिजन इसको लेकर आवश्यक व्यवस्थाओं में जुटे हुए हैं।

गंडक नदी में नहाने गए 7 वर्षीय बालक की डूबने से मौत, परिजनों में मचा कोहराम

बीएनएम@बेतिया : पश्चिम चंपारण जिले के उत्तरी पटजिरवा पंचायत क्षेत्र में गंडक नदी में नहाने के दौरान एक 7 वर्षीय बालक की डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया, जबकि पूरे गांव में शोक का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, उत्तरी पटजिरवा पंचायत स्थित पूजहा कब्रिस्तान के समीप गंडक नदी में चिंटू कुमार (7 वर्ष), पिता रामविलास मुखिया, अपने दो भाइयों एवं अन्य बच्चों के साथ स्नान करने गया था। इसी दौरान वह नदी के गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। साथ में नहा रहे बच्चों के शोर मचाने पर आसपास के ग्रामीण तत्काल मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने काफी प्रयास के बाद बालक को नदी से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही परिजन घटनास्थल पर पहुंचे, जहां मासूम का शव देखकर परिवार में चीख-पुकार मच गई। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की। थाना अध्यक्ष अमित कुमार पाल ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। मासूम की असमय मौत से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। स्थानीय लोगों ने नदी किनारे सुरक्षा व्यवस्था और सावधानी संबंधी जागरूकता बढ़ाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की दुखद घटनाओं को रोका जा सके।

अंतर्राष्ट्रीय फेलोशिप से सम्मानित हुए युवा सर्जन डॉ. विश्वपाल विश्वेंदु, मोतिहारी-बिहार का बढ़ाया मान

रोबोटिक एवं मिनिमल एक्सेस सर्जरी में उत्कृष्ट योगदान के लिए मिला प्रतिष्ठित सम्मान : मंटू यादव

बीएनएम @ मोतिहारी @ नीरज आनन्द

मोतिहारी। मोतिहारी के युवा एवं प्रख्यात गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल तथा कोलोरेक्टल सर्जन डॉ. विश्वपाल विश्वेंदु को चिकित्सा क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ सर्जन्स (आईसीएस) की प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय फेलोशिप से सम्मानित किया गया है। उनकी इस उपलब्धि से न केवल चिकित्सा जगत बल्कि पूरे बिहार, विशेषकर मोतिहारी जिले में गर्व और हर्ष का वातावरण है। यह सम्मान इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आईजीआईएमएस), पटना, बिहार में आयोजित अकादमिक मीटिंग एवं फेलोशिप कॉन्वोकेशन समारोह के दौरान प्रदान किया गया। फेलोशिप की उपाधि आईजीआईएमएस पटना के अधीक्षक डॉ. (प्रो.) मनीष मंडल एवं पारस एचएमआरआई अस्पताल, पटना के निदेशक डॉ. अहमद अब्दुल हई द्वारा संयुक्त रूप से प्रदान की गई। डॉ. विश्वपाल विश्वेंदु को रोबोटिक सर्जरी एवं मिनिमल एक्सेस सर्जरी के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियों, उच्च तकनीकी दक्षता तथा मरीजों को आधुनिक एवं उन्नत शल्य चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया है। उक्त समारोह में उपस्थित देश के वरिष्ठ चिकित्सकों एवं सर्जनों ने डॉ. विश्वेंदु की उपलब्धियों की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने कम समय में गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल एवं कोलोरेक्टल सर्जरी के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। विशेष रूप से रोबोटिक एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में उनकी विशेषज्ञता युवा चिकित्सकों के लिए प्रेरणास्रोत है। फेलोशिप प्राप्त करने के बाद डॉ. विश्वपाल विश्वेंदु ने अपने गुरुजनों, सहकर्मियों एवं परिवारजनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान उन्हें भविष्य में भी मरीजों को विश्वस्तरीय चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने तथा सर्जिकल विज्ञान के विकास में निरंतर योगदान देने के लिए प्रेरित करेगा। इस अवसर पर समाजसेवी मंटू यादव ने कहा कि डॉ. विश्वपाल विश्वेंदु की यह उपलब्धि पूरे मोतिहारी एवं बिहार के लिए गौरव का विषय है। उनकी सफलता प्रदेश के युवा चिकित्सकों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचने की प्रेरणा देगी। उल्लेखनीय है कि डॉ. विश्वपाल विश्वेंदु प्रत्येक रविवार को मोतिहारी स्थित हेनरी बाजार, भामाशाह प्रतिमा के समीप मरीजों को परामर्श देते हैं। उनके यहां गैस, लिवर, पित्ताशय, हर्निया, बवासीर, भगंदर सहित विभिन्न जठरांत्र एवं शल्य रोगों के लिए विशेषज्ञ परामर्श उपलब्ध है।

वर्दी में रील बनाकर विवादों में आए गायघाट थानाध्यक्ष, वायरल वीडियो पर उठे सवाल

बीएनएम @ मुजफ्फरपुर/गायघाट

मुजफ्फरपुर/गायघाट। बिहार में बढ़ते अपराध और कानून-व्यवस्था को लेकर जारी चिंताओं के बीच गायघाट थाना प्रभारी का एक सोशल मीडिया वीडियो विवाद का विषय बन गया है। वायरल वीडियो में थाना प्रभारी अपनी पत्नी और बच्चे के साथ वर्दी में फिल्मी गीत "होगा थानेदार तू, मेरा है दिलदार तू..." पर अभिनय करते नजर आ रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस महकमे में अनुशासन और विभागीय निर्देशों के पालन को लेकर सवाल उठने लगे हैं। जानकारी के अनुसार, पुलिस मुख्यालय ने पहले ही स्पष्ट निर्देश जारी कर रखा है कि कोई भी पुलिसकर्मी वर्दी में रील या मनोरंजनात्मक वीडियो नहीं बनाएगा। इसके बावजूद थाना प्रभारी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोगों ने विभागीय आदेशों की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े किए हैं। सोशल मीडिया पर यूजर्स का कहना है कि जब आम नागरिकों द्वारा नियमों का उल्लंघन करने पर पुलिस कार्रवाई करती है, तो विभागीय नियमों की अनदेखी करने वाले अधिकारियों के खिलाफ भी समान मानक लागू होने चाहिए। लोगों के बीच यह चर्चा भी तेज है कि क्या पुलिस मुख्यालय के निर्देश सभी अधिकारियों और कर्मियों पर समान रूप से लागू होते हैं। विवाद के बीच यह भी सवाल उठ रहा है कि जिस अधिकारी पर थाना क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी है, यदि वही विभागीय अनुशासन के दायरे में सवालों के घेरे में आ जाए तो इससे पुलिस की छवि प्रभावित हो सकती है। हालांकि विवाद बढ़ने के बाद संबंधित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से वीडियो हटा दिया गया है, लेकिन मामला अब भी चर्चा का विषय बना हुआ है। फिलहाल विभाग की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया या कार्रवाई की जानकारी सामने नहीं आई है। इस पूरे घटनाक्रम ने वर्दी की गरिमा, विभागीय अनुशासन और जवाबदेही को लेकर एक नई बहस छेड़ दी है।

एक वर्ष से फरार शराब तस्करी कांड का अभियुक्त उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार, डुमरियाघाट पुलिस को मिली सफलता

बीएनएम @ डुमरियाघाट

डुमरियाघाट। जिले के डुमरियाघाट पुलिस को शराब तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान में रविवार को एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। राज्य के बाहर उत्तरप्रदेश जाकर छापामारी टीम द्वारा डुमरियाघाट थाना कांड संख्या 105/25 धारा 30(a)/41(1) बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के फरार अभियुक्त आनंद कुमार, पिता रामदास सहनी, ग्राम भालुही, थाना अहिरौली बाजार, उत्तर प्रदेश को विधिवत गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त लंबे समय से फरार चल रहा था, जिसकी गिरफ्तारी हेतु पुलिस लगातार प्रयासरत थी। गुप्त सूचना एवं तकनीकी अनुसंधान के आधार पर राज्य के बाहर विशेष छापामारी अभियान चलाकर उसे गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के उपरांत अभियुक्त को डुमरियाघाट थाना को सुपुर्द कर दिया गया है। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए अभियुक्त को माननीय न्यायालय में उपस्थापित किया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि शराब तस्करी एवं मद्य निषेध अधिनियम के मामलों में फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा।

मनरेगा व जल संसाधन विभाग की समीक्षा बैठकः लक्ष्य से पीछे प्रगति पर डीडीसी सख्त, 13 पीओ से मांगा स्पष्टीकरण

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण के उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार की अध्यक्षता में नगर के डॉ. राधाकृष्णन भवन सभागार में मनरेगा एवं जल संसाधन विभाग (डब्ल्यूआरडी) की योजनाओं की गहन समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में मनरेगा के सभी कार्यक्रम पदाधिकारी, जल संसाधन विभाग के कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता एवं कनीय अभियंता सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में मनरेगा के विभिन्न अवयवों के साथ-साथ मनरेगा अभिसरण से जल संसाधन विभाग की योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। इस दौरान ऑनगोइंग वृक्षारोपण योजनाओं में मानव दिवस सृजन, पीडी जनरेशन, कार्य पूर्णता, ई-केवाईसी, जियो टैगिंग, एरिया ऑफिसर ऐप से योजनाओं का निरीक्षण, पीएमएवाई (जी) अभिसरण तथा जल-जीवन-हरियाली अभियान के तहत संचालित योजनाओं की प्रगति का आकलन किया गया। वहीं समीक्षा के दौरान उप विकास आयुक्त ने सभी कार्यक्रम पदाधिकारियों को प्रत्येक पंचायत में कम से कम 500 श्रमिकों की सहभागिता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। समीक्षा में सामने आया कि जिले की 175 पंचायतों में अब भी मानव दिवस सृजन 200 से कम है। जिले को जून 2026 तक 36 लाख मानव दिवस सृजन का लक्ष्य मिला है, लेकिन अब तक केवल लगभग 32 प्रतिशत लक्ष्य ही हासिल हो सका है। इस पर नाराजगी जताते हुए डीडीसी ने कहा कि जिले की प्रगति राज्य औसत से भी काफी कम है और इसमें तत्काल सुधार की आवश्यकता है। जिले में सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र की कुल 14,470 वृक्षारोपण योजनाएं संचालित हैं। इनमें से केवल 51 प्रतिशत योजनाओं पर ही चालू वित्तीय वर्ष में मानव दिवस सृजन हुआ है। उप विकास आयुक्त ने सभी कार्यक्रम पदाधिकारियों को जून माह के दौरान वृक्षारोपण की सभी योजनाओं पर शत-प्रतिशत श्रमिक मांग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जल-जीवन-हरियाली अभियान के अंतर्गत मनरेगा से संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा में समग्र प्रगति संतोषजनक पाई गई। हालांकि पईन जीर्णोद्धार, सोखता निर्माण, निजी खेत-पोखरा निर्माण तथा छत वर्षा जल संचयन जैसी योजनाओं में अपेक्षाकृत कम प्रगति दर्ज की गई। डीडीसी ने इन योजनाओं में तेजी लाने के निर्देश दिए। मनरेगा के कई मानकों पर लगातार कमजोर प्रदर्शन करने वाले 13 प्रखंडों के कार्यक्रम पदाधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगा गया है। जिन प्रखंडों के पीओ से जवाब-तलब किया गया है उनमें कल्याणपुर, पहाड़पुर, अरेराज, संग्रामपुर, कोटवा, मोतिहारी, केसरिया, तुरकौलिया, छौड़ादानों, पकड़ीदयाल, आदापुर, मेहसी और मधुबन शामिल हैं। प्रखंड तेतरिया के सेमराहा पंचायत के पंचायत रोजगार सेवक मो. रिजवान अंसारी से पूर्व में स्पष्टीकरण मांगे जाने के बावजूद कार्य में अपेक्षित सुधार नहीं होने पर उप विकास आयुक्त ने मामले को गंभीरता से लेते हुए उन्हें चयनमुक्त करने का निर्देश दिया। समीक्षा में बताया गया कि जल संसाधन विभाग की कुल 614 योजनाओं को प्रशासनिक स्वीकृति मिल चुकी है। इसके बावजूद अब तक केवल 465 योजनाओं की ही पोर्टल पर प्रविष्टि की गई है तथा मात्र 49 योजनाओं पर कार्य प्रारंभ हो सका है। इस पर उप विकास आयुक्त ने सभी कार्यपालक अभियंताओं को कड़ी फटकार लगाते हुए सभी 614 योजनाओं की शीघ्र पोर्टल एंट्री कराने तथा जिन योजनाओं की जियो टैगिंग पूरी हो चुकी है, उन पर तत्काल कार्य शुरू कराने का निर्देश दिया। बैठक में निदेशक एनईपी डॉ. कुंदन, जल संसाधन विभाग के सभी कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता एवं कनीय अभियंता, मनरेगा के कार्यपालक एवं सहायक अभियंता, जिला मिशन प्रबंधक तथा जल-जीवन-हरियाली अभियान से जुड़े अधिकारी उपस्थित रहे।

हत्या मामले के फरार अभियुक्त पर पुलिस ने रखा 10 हजार का इनाम

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। हत्या के एक चर्चित मामले में फरार चल रहे आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर पूर्वी चंपारण पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर आरोपी की गिरफ्तारी में सहयोग करने वाले व्यक्ति के लिए 10 हजार रुपये के नकद इनाम की घोषणा की गई है। पुलिस के अनुसार कोटवा थाना कांड संख्या 204/26 में नामजद अभियुक्त सरोज कुमार, पिता वीरेंद्र राय, निवासी देवपुर परसा, थाना कल्याणपुर, घटना के बाद से लगातार पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। उसकी तलाश में पुलिस लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है, लेकिन अब तक उसे गिरफ्तार करने में सफलता नहीं मिल सकी है। आरोपी की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने और आम लोगों की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से यह इनाम घोषित किया गया है। पुलिस का कहना है कि जो भी व्यक्ति आरोपी के संबंध में विश्वसनीय सूचना देगा और उसके आधार पर गिरफ्तारी संभव होगी, उसे निर्धारित इनाम राशि प्रदान की जाएगी। पुलिस प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी, ताकि लोग बिना किसी डर के पुलिस की मदद कर सकें। जिला पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी को आरोपी के ठिकाने या गतिविधियों की जानकारी हो तो वह तत्काल पुलिस अधीक्षक, मोतिहारी के मोबाइल नंबर 9031827100 पर संपर्क कर सूचना दें। पुलिस को विश्वास है कि जनसहयोग से आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर कानून के दायरे में लाया जाएगा।

बाढ़ सुरक्षा सप्ताह 2026 : एसडीआरएफ की मॉकड्रिल में ग्रामीणों ने सीखे आपदा प्रबंधन के गुर

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। बाढ़ सुरक्षा सप्ताह 2026 के अवसर पर जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के तत्वावधान में रविवार को मोतिहारी प्रखंड के बरदाहा पंचायत भवन में एसडीआरएफ (राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल) द्वारा मॉकड्रिल एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों को आपदा के समय सतर्कता, सुरक्षा और त्वरित बचाव के प्रति जागरूक बनाना था। सुबह 8 बजे शुरू हुए कार्यक्रम में एसडीआरएफ की टीम ने बाढ़, वज्रपात (आकाशीय बिजली), अग्निकांड तथा अन्य आपात स्थितियों से निपटने के व्यावहारिक तरीके प्रदर्शित किए। मॉकड्रिल के दौरान जवानों ने राहत एवं बचाव कार्यों का जीवंत प्रदर्शन करते हुए बताया कि आपदा के समय त्वरित और सही निर्णय कैसे लोगों की जान बचा सकता है। एसडीआरएफ अधिकारियों ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी आपदा के दौरान घबराने के बजाय सतर्क रहना और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करना सबसे प्रभावी बचाव है। उन्होंने लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने, आपातकालीन सहायता नंबरों की जानकारी रखने तथा बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने की सलाह दी। वज्रपात से बचाव के लिए खुले मैदान, ऊंचे पेड़ों और बिजली के खंभों से दूर रहने की जानकारी दी गई, जबकि अग्निकांड की स्थिति में प्रारंभिक नियंत्रण, सुरक्षित निकासी और सहायता प्राप्त करने के उपायों को विस्तार से समझाया गया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई और आपदा प्रबंधन से जुड़े विभिन्न सवाल पूछकर महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। इस अवसर पर बरदाहा पंचायत के मुखिया मोहन सहनी, सरपंच मुरारी सहनी, पंचायत समिति सदस्य राजेश सहनी, एसडीआरएफ के हवलदार राजकुमार भारती सहित टीम के सदस्य दीपक कुमार, सुंदर कुमार, जितेंद्र कुमार, अशोक कुमार ठाकुर एवं चालक मिंटू कुमार उपस्थित रहे। साथ ही वार्ड सदस्य लखविंदर सहनी, रामायण सहनी, शिव शंकर सहनी, बाल संरक्षण एवं आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में कार्यरत संस्था बाल रक्षा भारत–सेव द चिल्ड्रेन के प्रतिनिधि हामिद रजा, हसन इमाम, आरती कुमारी तथा ग्राम आपदा प्रबंधन समिति के सदस्य एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण महिला-पुरुष कार्यक्रम में शामिल हुए।

संक्षिप्त समाचार

बेतियाः 38,675 किसानों की फसल सहायता राशि तीन साल से अटकी, किसानों में बढ़ा असंतोष

बीएनएम @ बेतिया : पश्चिम चंपारण जिले के 38,675 किसानों की बिहार राज्य फसल सहायता अनुदान योजना की राशि सत्यापन प्रक्रिया पूरी नहीं होने के कारण पिछले तीन वर्षों से लंबित है। वित्तीय वर्ष 2022-23 के खरीफ सीजन तथा 2024-25 के रबी और खरीफ मौसम की सहायता राशि अब तक किसानों के खातों में नहीं पहुंच सकी है, जिससे किसानों में भारी नाराजगी व्याप्त है। जानकारी के अनुसार राज्य के 37 जिलों में फसल सहायता योजना के लाभार्थियों का सत्यापन कार्य पूरा कर भुगतान की प्रक्रिया आगे बढ़ चुकी है, लेकिन पश्चिम चंपारण में यह प्रक्रिया अब तक अधूरी है। इसका खामियाजा हजारों किसानों को भुगतना पड़ रहा है, जो पहले से ही आर्थिक संकट और फसल नुकसान की मार झेल रहे हैं। सहकारिता विभाग के सचिव धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि खरीफ 2024 योजना के अंतर्गत लाभार्थी किसानों के सत्यापन का आदेश जिला पदाधिकारी एवं प्रमंडलीय संयुक्त निबंधक, सहकारिता द्वारा जिला सहकारिता विभाग को दिया गया है। सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही भुगतान संभव हो सकेगा। वहीं विश्वसनीय सूत्रों का दावा है कि जिले में सत्यापन के दौरान बड़े पैमाने पर अनियमितताओं और फर्जीवाड़े के मामले सामने आए थे। इसी कारण जांच और सत्यापन की प्रक्रिया लंबी खिंच गई, जिससे पात्र किसान भी सहायता राशि से वंचित रह गए। सूत्रों के अनुसार फसल सहायता योजना के नाम पर कुछ बिचौलियों द्वारा किसानों से सहायता राशि का 50 प्रतिशत तक कमीशन वसूले जाने की शिकायतें भी सामने आई थीं। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। अब हजारों किसान सरकार और प्रशासन से जल्द सत्यापन पूरा कर लंबित सहायता राशि का भुगतान कराने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि समय पर सहायता नहीं मिलने से खेती-किसानी पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है।

तुरकौलिया उत्तरी मंडल भाजपा कार्यसमिति की बैठक सम्पन्न, संगठन मजबूती पर दिया गया जोर

बीएनएम @ तुरकौलिया। भाजपा के तुरकौलिया उत्तरी मंडल की कार्यसमिति बैठक रविवार को बिजुलपुर पंचायत स्थित विशुनपुरवा गांधी पुस्तकालय परिसर के समीप आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र कुशवाहा ने की। इसमें बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक को संबोधित करते हुए कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत बनाने और नियमित बैठकों के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि मंडल कार्यसमिति की बैठक प्रत्येक माह के प्रथम सप्ताह में अनिवार्य रूप से आयोजित की जानी चाहिए, ताकि संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा और आगामी कार्यक्रमों की रणनीति समय पर तय की जा सके। विधायक ने आगामी 10 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के अवसर पर पार्टी के नारे "12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के" को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी गरीब एवं जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाना प्रत्येक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जब नीयत साफ हो, नेतृत्व मजबूत हो और नीति स्पष्ट हो, तब देश विकास के नए आयाम स्थापित करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने कई क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है, जिसकी जानकारी जनता तक पहुंचाना जरूरी है। बैठक में उपस्थित नेताओं ने बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय बनाने, जनसंपर्क अभियान तेज करने तथा आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने पर अपने विचार रखे। साथ ही विभिन्न कार्यक्रमों के सफल संचालन के लिए कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां भी सौंपी गईं। इस अवसर पर भाजपा नेता दीपक शर्मा, संयोजक राजकिशोर कुशवाहा, महामंत्री दीपक गुप्ता, राजेश्वर प्रसाद, महिला मोर्चा अध्यक्ष रीता देवी, बाबूलाल साह, अवधेश माझी, अजय सिंह, मदन साह, धर्मेंद्र यादव सहित कई प्रमुख कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक का समापन संगठन की एकजुटता बनाए रखने और आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने के संकल्प के साथ हुआ।

रील बनाने के दौरान गंडक नहर में डूबे दो युवक, मौत

बीएनएम @ मझौलियाः मझौलिया प्रखंड क्षेत्र के अमवा मझार स्थित गंडक नहर के 55 पुल बड़ा केवड़ा के समीप रिल, वीडियो बनाने के दौरान दो युवकों की डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में शोक की लहर दौड़ गई तथा मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।अंचलाधिकारी डॉ. राजीव रंजन कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मृतकों की पहचान धर्म कुमार 18 वर्ष, पिता विनोद यादव तथा करण कुमार 19 वर्ष, पिता नंद लाल महतो के रूप में हुई है। दोनों युवक मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बारी टोला के निवासी थे।प्राप्त जानकारी के अनुसार दोनों युवक अपने कुछ साथियों के साथ अमवा मझार के समीप गंडक नहर के 55 पुल बड़ा केवड़ा के पास गए थे। इसी दौरान वे मोबाइल से रील बनाने में व्यस्त थे। बताया जाता है कि वीडियो बनाने के क्रम में उनका संतुलन बिगड़ गया और वे नहर के गहरे पानी में जा गिरे। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन तेज बहाव और गहराई के कारण सफलता नहीं मिल सकी।घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और पुलिस मौके पर पहुंची। काफी खोजबीन के बाद दोनों युवकों के शव को बाहर निकाला गया। मुफस्सिल थाना पुलिस ने शवों को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए बेतिया जीएमसीएच भेज दिया।इस दुखद घटना के बाद मृतकों के गांव बारी टोला में मातम पसरा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है तथा ग्रामीण भी इस हादसे से स्तब्ध हैं। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि नदियों, नहरों और अन्य जलाशयों के किनारे वीडियो या रिल बनाने के दौरान विशेष सावधानी बरतें, ताकि इस प्रकार की दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

अस्पताल की छठी मंजिल से कूदकर आईटीबीपी जवान ने की ख़ुदकुशी

बीएनएम @ पटना । दीघा थाना क्षेत्र में एशियन अस्पताल की छठी मंजिल से कूदकर इंडो-तिब्बतन बॉर्डर पुलिस (आईटीबीपी) के एक जवान ने आत्महत्या कर ली। अस्पताल परिसर में अचानक हुई इस घटना के बाद वहां मौजूद मरीजों, तीमारदारों और अस्पताल स्टाफ के बीच अफरा-तफरी और हड़कंप मच गया। मृतक जवान की पहचान विजय सिंह के रूप में हुई है, जो मूल रूप से राजस्थान के जबलपुर (झुंझुनू/संबंधित जिला) के रहने वाले थे। वह सेना में देश की सेवा कर रहे थे, लेकिन पिछले कुछ समय से उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं चल रहा था। बीमारी के इलाज और मेडिकल चेकअप के सिलसिले में ही वे पटना आए हुए थे। मिली जानकारी के अनुसार, तबीयत अधिक खराब होने की वजह से विजय सिंह को बीते 3 तारीख को इलाज के लिए दीघा स्थित एशियन हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल के डॉक्टरों की देखरेख में उनका इलाज चल रहा था, लेकिन इसी बीच उन्होंने अस्पताल की छठी मंजिल से छलांग लगा दी, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय दीघा थाना की पुलिस तुरंत हरकत में आई और दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंच गई। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। शुरुआती जांच और चश्मदीदों के बयानों के आधार पर पुलिस इसे बीमारी के तनाव में आकर किया गया सुसाइड मानकर आगे की कार्रवाई कर रही है। फिलहाल, पुलिस प्रशासन ने इस दुखद हादसे की जानकारी मृतक जवान के परिजनों और आईटीबीपी के आला अधिकारियों को दे दी है। पुलिस अस्पताल में लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि जवान ने आखिर किन परिस्थितियों में और किस मानसिक तनाव के चलते इतना आत्मघाती कदम उठाया।

केरलम में 4 जून को दस्तक देने के बाद मानसून शेष भारत के हिस्सों में पहुंचेगा

बिहार में मानसून की दस्तक 15 जून तक!

» राज्य के 27 जिलों में 7 से 9 जून तक आंधी-तूफान और झमाझम बारिश के आसार

बीएनएम @ पटना

इस साल बिहार में सामान्य से कम वर्षा हो सकती हैः मौसम विभाग

पटना। मानसून का इंतजार कर रहे बिहार के लोगों के लिए बड़ी राहत भरी खबर है। तीन दिन की देरी से देश में प्रवेश करने के बाद दक्षिण-पश्चिम मानसून ने अब रफ्तार पकड़ ली है। केरलम में 4 जून को दस्तक देने के बाद मानसून कर्नाटक, तमिलनाडु, गोवा, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, मिजोरम और मणिपुर तक पहुंच चुका है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों में मानसून पूर्वोत्तर भारत के शेष राज्यों और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों तक आगे बढ़ सकता है, जबकि बिहार में इसके अगले 10 दिनों के भीतर पहुंचने की संभावना जताई गई है।

दरअसल, भीषण गर्मी की मार झेल रहे बिहार के लोगों को अभी मानसून का इंतजार करना होगा, लेकिन उससे पहले मौसम करवट लेने वाला है। मौसम विभाग ने 8 और 9 जून को राज्य के कई जिलों में गरज-चमक, तेज हवाओं और बारिश की संभावना जताई है। पटना समेत कई जिलों के लिए आंधी और वज्रपात का अलर्ट जारी किया गया है। कुछ इलाकों में हवा की रफ्तार 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार बिहार में मानसून की सामान्य आगमन तिथि 12 से 15 जून के बीच मानी जाती है। हालांकि इस बार मानसून की शुरुआत थोड़ी देर से हुई थी, लेकिन अब इसकी प्रगति तेज हुई है। मौसम विभाग का अनुमान है कि यदि परिस्थितियां अनुकूल रहीं तो जून के दूसरे पखवाड़े की शुरुआत तक मानसून बिहार के अधिकांश हिस्सों को कवर कर सकता है।

हालांकि मौसम विभाग ने यह भी संकेत दिया है कि इस वर्ष बिहार में सामान्य से कम वर्षा हो सकती है। मौसम विभाग के दीर्घकालिक पूर्वानुमान के अनुसार जून से सितंबर के मानसून सीजन में राज्य में औसत से कम बारिश होने की आशंका है। इसके पीछे प्रशांत महासागर में विकसित हो रही एल-नीनो परिस्थितियों को प्रमुख कारण माना जा रहा है। साथ ही जून महीने में सामान्य से अधिक गर्म दिनों और हीटवेव की घटनाओं की भी संभावना बनी हुई है।

वैसे, मौसम विज्ञान केंद्र पटना ने राज्य के 27 जिलों में 7 से 9 जून तक आंधी-तूफान और झमाझम बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान कई क्षेत्रों में 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और वज्रपात की चेतावनी दी गई है। इन जिलों में अलर्ट जारीः राजधानी पटना समेत सीतामढ़ी, शिवहर, मुजफ्फरपुर, मधुबनी, दरभंगा, सुपौल, अररिया, किशनगंज, पूर्णिया, मधेपुरा, सहरसा, समस्तीपुर, वैशाली, बेगूसराय, खगड़िया, भागलपुर, मुंगेर, लखीसराय, शेखपुरा, नालंदा, जहानाबाद, गया, नवादा, जमुई और बांका में येलो अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में 40-50 किमी की रफ्तार से तेज हवा और वज्रपात की संभावना है।

मोहनपुर मंडल भाजपा की बैठक में संगठन की मजबूती पर बल

बीएनएम @ समस्तीपुर

समस्तीपुर। भारतीय जनता पार्टी के मोहनपुर मंडल के विभिन्न मंच-मोर्चा के पदाधिकारियों तथा मंडल क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जिला एवं प्रदेश स्तर के पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक डुमरी उत्तरी पंचायत में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह ने की, जबकि संचालन मंडल महामंत्री जय लाल चौधरी ने किया। बैठक में भारतीय जनता पार्टी द्वारा निर्धारित मासिक कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी तथा आगामी संगठनात्मक एवं जनसंपर्क कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाने, केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाने तथा पार्टी की नीतियों एवं सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने पर बल दिया। बैठक के दौरान उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा आगामी कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक संपन्न कराने का संकल्प लिया। साथ ही विभिन्न सामाजिक एवं जनहित से जुड़े मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र कुमार चौहान, मंडल प्रभारी अजय कुमार, विधानसभा प्रवक्ता संतोष कुमार पोद्दार मनोज कुमार झा, राजीव राम, त्रिभुवन सिंह, मो. शहजाद, सत्येंद्र तिवारी सहित मंडल के अनेक पदाधिकारी एवं सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई तथा संगठनात्मक एकजुटता और आगामी कार्यक्रमों की सफलता को लेकर कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला।

सिंगल यूज प्लास्टिक के दुष्प्रभावों पर परिचर्चा

बीएनएम @ समस्तीपुर

समस्तीपुर । सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त बिहार अभियान के बैनर तले ऐतिहासिक मोहिउद्दीन नगर प्रखंड क्षेत्र के मनियर मठ परिसर में सिंगल यूज प्लास्टिक के दुष्प्रभावों एवं उसके विकल्पों पर आधारित जागरूकता अभियान सह परिचर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को प्लास्टिक प्रदूषण के प्रति जागरूक करना तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए वैकल्पिक उपायों को अपनाने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता चंद्रशेखर सिंह ने की, जबकि संचालन प्रो. सुनील सिंह ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व नगर अध्यक्ष ईश्वर करुण उपस्थित रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में चर्चित फिल्म कलाकार अमय कश्यप ने सहभागिता करते हुए पर्यावरण संरक्षण के लिए जन-जागरूकता की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता संजीव सिंह (लोजपा नेता) ने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक आज पर्यावरण, मानव स्वास्थ्य और जैव विविधता के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। विषय प्रवेश नंद किशोर कापर ने करते हुए सिंगल यूज प्लास्टिक से होने वाले नुकसान तथा इसके व्यवहारिक विकल्पों पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर मनियर मठ के महंत श्री विष्णुदेवानंद जी महाराज, कामदेव सिंह, नितिन कुमार, राकेश मिश्रा सहित कई गणमान्य लोगों ने अपने विचार व्यक्त किए और लोगों से कपड़े, जूट तथा अन्य पर्यावरण अनुकूल उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने की अपील की। कार्यक्रम का संयोजन भाई रणधीर, एक्टिविस्ट एवं सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त बिहार अभियान के सक्रिय सदस्य द्वारा किया गया। वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि स्वच्छ और हरित बिहार के निर्माण के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक का बहिष्कार समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने प्लास्टिक मुक्त समाज के निर्माण हेतु जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

विपक्षी नजरिए से दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति

कई जगहों पर डीएमके कार्यकर्ताओं ने जिस तरह कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर हमले किए, उससे भी विपक्षी खेमे को लेकर धारणा बिगड़ी है। इसका खराब असर आने वाले चुनावों में विपक्षी सहयोग पर पड़ सकता है। संसद में तालमेल के अलावा इंडिया गठबंधन वैसे भी निरर्थक हो चुका था, मगर तमिलनाडु में कांग्रेस के पाला-बदल के बाद फ्लोर कॉर्डिनेशन से सामूहिक प्रभाव पैदा कर पाना भी उसके लिए कठिन हो जाएगा। चुनाव परिणाम आने के तुरंत बाद कांग्रेस का एकतरफा तौर पर डीएमके का साथ छोड़कर टीवीके से गांठ जोड़ लेने से पैदा हुई कड़वाहट का ही नतीजा है कि डीएमके ने लोकसभा स्पीकर से अपने सदस्यों की सीटिंग व्यवस्था बदलने की गुजारिश कर दी है। उधर तमिलनाडु में कई जगहों पर डीएमके कार्यकर्ताओं ने जिस तरह कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर हमले किए, उससे भी विपक्षी खेमे को लेकर धारणाएं बिगड़ी हैं। इसका खराब असर आने वाले चुनावों के दौरान अन्य दलों से कांग्रेस के सहयोग पर पड़ सकता है। अगला एक प्रमुख चुनाव मैदान उत्तर प्रदेश है, जहां सपा नेता अखिलेश यादव पहले से ही कांग्रेस से कुछ हिसाब चुकता करने के अपने मूड का संकेत देते रहे हैं। महाराष्ट्र में पहले ही गठबंधन के घटक अपनी राह अलग कर चुके हैं। वहां भी कांग्रेस का रुख विवाद के केंद्र में रहा। तमिलनाडु के मामले से क्षेत्रीय दलों में यह शिकायत और गहराएगी कि परजीवी होती गई कांग्रेस अपने अतीत की थाती के आधार पर सहयोगी दलों से अधिकतम कीमत वसूलने और इस प्रयास में चुनाव से ठीक पहले माहौल बिगाड़ने की हद तक चली जाती है। जहां उसका मुकाबला किसी गैर-भाजपा दल से होता है (मसलन, दिल्ली में 'आप', पश्चिम बंगाल में टीएमसी, केरल में लेफ्ट फ्रंट), वहां इल्जाम लगाने में वह कोई संयम नहीं दिखाती। ऊपर से आम अनुभव के विपरीत कांग्रेस नेता राहुल गांधी का यह बड़बोलापन है कि भाजपा को सिर्फ कांग्रेस ही हरा सकती है। विपक्षी नजरिए से यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। जिस समय गैर-भाजपा दलों में सबसे ज्यादा सहयोग और भाजपा का मुकाबला करने के एकजुट संकल्प की जरूरत है, इन दलों में समन्वय का रहा-सहा मंच भी बिखरता नजर आ रहा है। भाजपा का नीतिगत विकल्प देने के मोर्चे पर तो ये दल वैसे ही नाकाम थे, अब उनमें व्यावहारिक और चुनावी गणित आधारित सहयोग की भावना भी ओझल हो रही है।

अमेरिकन व्हाइट-कॉलर वर्कर जॉब्स एक्ट 2026

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

- एच-1बी वीजा से ग्रीन कार्ड का रास्ता बंद करने की कवायद, भारतीय पेशेवरों और छात्रों के लिए नई चुनौती? अमेरिकन व्हाइट-कॉलर वर्कर जॉब्स एक्ट 2026 और भारत की वैश्विक रणनीतिः क्या भारत पहले से कर रहा है संभावित झटके की तैयारी?

भारतीय मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, सेमीकंडक्टर मिशन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण तथा वैश्विक सप्लाई चेन से भारतीय प्रतिभा को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का प्रयास वैश्विक प्रतिभा, तकनीकी प्रतिस्पर्धा और आर्थिक राष्ट्रवाद के बीच अमेरिका की आव्रजन नीति एक नए निर्णायक मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है। राष्ट्रपति ट्रम्प के सत्ता में लौटने के बाद अमेरिकीप्रशासन ने कानूनी आव्रजन कार्यक्रमों, विशेषकर एच-1बी वीजा प्रणाली, पर लगातार सख्ती का रुख अपनाया है। उच्च वेतन आधारित चयन प्रणाली की वकालत, वीजाआवेदनों की कड़ीजांच, रोजगार-आधारित ग्रीन कार्डप्रक्रिया में बाधाएं, विदेशी श्रमिकों की भर्ती पर बढ़ती निगरानी, अमेरिकी कर्मचारियों को प्राथमिकता देने वाली नीतियां तथा विदेशी छात्रों के लिए उपलब्ध अवसरों को सीमित करने जैसे अनेक कदम इस व्यापक नीति परिवर्तन का हिस्सा माने जा रहे हैं। इसी क्रम में टेक्सास से रिपब्लिकन सांसद द्वारा अमेरिकी संसद में प्रस्तुत अमेरिकन व्हाइट-कॉलर वर्कर जॉब्स एक्ट 2026 ने वैश्विक स्तर पर बहस छेड़ दी है। यदि यह विधेयक कानून का रूप लेता है तो एच-1बी वीजा धारकों के लिए ग्रीन कार्ड प्राप्त करने का मार्ग अत्यंत कठिन हो जाएगा, वीजा अवधि घट सकती है, ओपीटी कार्यक्रम समाप्त हो सकता है और अमेरिका में कार्यरत लगभग 12 लाख भारतीय मूल के पेशेवरों तथा उनके परिवारों के भविष्य पर गहरा प्रभाव पड़ सकता है। यह केवल एक आव्रजन सुधार प्रस्ताव नहीं, बल्कि अमेरिका की बदलती आर्थिक, राजनीतिक और श्रम नीति का प्रतीक माना जा रहा है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क्रि एच-1बी वीजा पिछले कई दशकों से अमेरिका की तकनीकी और नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ रहा है। इस कार्यक्रम के माध्यम से अमेरिकी कंपनियां विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित जैसे क्षेत्रों में उच्च कौशल वाले विदेशी पेशेवरों को नियुक्त करती हैं। विशेष रूप से भारतीय आईटी पेशेवरों ने इस कार्यक्रम का सबसे अधिक लाभ उठाया है।विश्व की प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनियों में कार्यरत हजारों भारतीय इंजीनियर, सॉफ्टवेयर डेवलपर, डेटा वैज्ञानिक और अनुसंधान विशेषज्ञ एच-1बी वीजा के माध्यम से अमेरिका पहुंचे हैं। यही कारण है कि एच-1बी वीजा में किसी भी प्रकार का परिवर्तन भारत के तकनीकी समुदाय और छात्रों के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण विषय बन जाता है।

साथियों वैश्विक भू-राजनीति, आर्थिक राष्ट्रवाद और प्रतिभा आधारित प्रतिस्पर्धा के इस दौर में अमेरिका द्वारा प्रस्तावित अमेरिकन व्हाइट-कॉलर वर्कर जॉब्स एक्ट 2026 केवल एक आव्रजन सुधार विधेयक नहीं माना जा रहा, बल्कि इसे वैश्विक प्रतिभा प्रवाह, तकनीकी सहयोग और अंतरराष्ट्रीय श्रम बाजार के पुनर्गठन के संकेत के रूप में भी देखा जा रहा है। विशेष रूप से भारत के संदर्भ में यह विधेयक अत्यंत महत्वपूर्ण है,क्योंकि एच- 1बी वीजा प्रणाली के सबसे बड़े लाभार्थियों में भारतीय पेशेवर शामिल हैं। पिछले कुछ वर्षों में राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा अपनाई गई अमेरिका फर्स्ट नीति, कानूनी और अवैध दोनों प्रकार के आव्रजन पर सख्ती,एच-1बी वीजानियमों की समीक्षा तथा अमेरिकी नौकरियों को प्राथमिकता देने की रणनीति ने भारत को यह संकेत पहले ही दे दिया था कि भविष्य में अमेरिकी श्रम बाजार भारतीय पेशेवरों के लिए पहले जैसा खुला नहीं रह सकता। यही कारण है कि भारत समानांतर रूप से अपने आर्थिक, व्यापारिक और रणनीतिक विकल्पों को मजबूत करने में जुटा हुआ दिखाई देता है।

साथियों, रिपब्लिकन सांसद का तर्क है कि लगभग चार दशकों के इतिहास में एच-1बी कार्यक्रम का व्यापक दुरुपयोग हुआ है। उनके अनुसार अमेरिकी नियोक्ताओं ने कम वेतन पर विदेशी कर्मचारियों को नियुक्त कर अमेरिकी विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित क्षेत्र के कर्मचारियों के अवसरों को सीमित किया है। उनका दावा है कि कंपनियों ने कर्मचारियों की कथित कमी का हवाला देकर सस्ते विदेशी श्रमिकों को प्राथमिकता दी जबकि अनेक अमेरिकी नागरिक रोजगार और वेतन संबंधी चुनौतियों का सामना करते रहे। इसी सोच के आधार पर उन्होंने अमेरिकन व्हाइट- कॉलर वर्कर जॉब्स एक्ट प्रस्तुत किया है, जिसका घोषित उद्देश्य अमेरिकी व्हाइट-कॉलर कर्मचारियों के हितों की रक्षा करना है।इस विधेयक का सबसे विवादास्पद प्रावधान एच-1बी वीजा से ग्रीन कार्ड तक पहुंचने के रास्ते को समाप्त करने की दिशा में उठाया गया कदम है। वर्तमान व्यवस्था में एच-1बी धारक अमेरिका में कार्य करते हुए रोजगार-आधारित ग्रीन कार्ड के लिए आवेदन कर सकते हैं। यही कारण है कि लाखों विदेशी पेशेवर अमेरिका में दीर्घकालिक करियर और पारिवारिक भविष्य की योजना बनाते हैं। प्रस्तावित कानून इस अवधारणा को बदलना चाहता है। इसके अनुसार एच-1बी वीजा केवल अस्थायी कार्य वीजा रहेगा और इसे स्थायी निवास प्राप्त करने के साधन के रूप में उपयोग नहीं किया जा सकेगा। इससे अमेरिका में बसने की आकांक्षा रखने वाले लाखों लोगों की योजनाओं पर सटीकता से गहरा प्रभाव पड़ सकता है।

साथियों, विधेयक का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू ड्यूल इंटेंट सिद्धांत को कमजोर करना है।वर्तमान प्रणाली में एच -1बी धारक अमेरिका में अस्थायी रूप से काम करते हुए भविष्य में स्थायी निवास के लिए आवेदन कर सकते हैं। लेकिन प्रस्तावित व्यवस्था में आवेदक को यह साबित करना होगा कि उसका स्थायी निवास अमेरिका के बाहर है और वह अंततः अपने देश लौटने का इरादा रखता है। यह परिवर्तन अमेरिकी आव्रजन दर्शन में एक बड़े बदलाव का संकेत देता है, क्योंकि इससे एच-1बी वीजा का स्वरूप मूलतः अस्थायी रोजगार कार्यक्रम तकसीमित हो जाएगा।विधेयक में एच-1बी वीजा की अधिकतम अवधि छह वर्ष से घटाकर केवल दो वर्ष करने काप्रस्ताव भी शामिल है। वर्तमान में अधिकांश पेशेवर छह वर्षों तक अमेरिका में रहकर कार्य कर सकते हैं और ग्रीनकार्ड प्रक्रिया लंबित होने की स्थिति में अतिरिक्त विस्तार भी प्राप्त कर सकते हैं। यदि नई व्यवस्था लागू होती है तो कंपनियों के लिए दीर्घकालिक प्रतिभा प्रबंधन कठिन हो सकता है। कर्मचारियों को भी अपने करियर और पारिवारिक निर्णयों को लेकर अधिक अनिश्चितता का सामना करना पड़ सकता है।

साथियों, एक अन्य महत्वपूर्ण बदलाव ग्रीन कार्ड प्रक्रिया लंबित रहने की स्थिति में मिलने वाले वीजा विस्तार को समाप्त करना है। आज अनेक भारतीय पेशेवर वर्षों तक ग्रीन कार्ड की प्रतीक्षा सूची में रहते हैं और इस दौरान एच-1बी विस्तार के माध्यम से अमेरिका में कार्य करते रहते हैं। प्रस्तावित कानून इस सुविधा को समाप्त कर सकता है। परिणामस्वरूप हजारों लोग ग्रीन कार्डस्वीकृत होने से पहले ही अमेरिका छोड़ने के लिए बाध्य हो सकते हैं।इस विधेयक का एक और महत्वपूर्ण आयामवैकल्पिक व्यावहारिक प्रशिक्षण अर्थात ओपीटी कार्यक्रम को समाप्त करने का प्रस्ताव है।ओपीटी अमेरिकी विश्वविद्यालयों से शिक्षा प्राप्त करने वाले विदेशी छात्रों को डिग्री पूर्ण करने के बाद सीमित अवधि तक अमेरिका में कार्य करने का अवसर देता है। भारतीय छात्र इस कार्यक्रम के सबसे बड़े लाभार्थियों में शामिल हैं। ओपीटी समाप्त होने की स्थिति में अमेरिकी शिक्षा प्राप्त करने वाले विदेशी छात्रों के लिए रोजगार के अवसर काफी सीमित हो सकते हैं। इससे अमेरिका की उच्च शिक्षा प्रणाली की वैश्विक आकर्षण क्षमता पर भी प्रभाव पड़ सकता है।संसद और उनके समर्थकों का कहना है कि वर्तमान लॉटरी आधारित एच-1बी प्रणाली योग्यता और आर्थिक मूल्य के बजाय भाग्य पर आधारित है। इसलिए विधेयक में लॉटरी समाप्त कर उच्च वेतन वाली नौकरियों को प्राथमिकता देने का प्रस्ताव रखा गया है। इस मॉडल के समर्थकों का मानना है कि इससे केवल अत्यधिक कुशल और उच्च मूल्य वाले पेशेवरों को अवसर मिलेगा। हालांकि आलोचकों का तर्क है कि इससे छोटे और मध्यम आकार के नियोक्ताओं के लिए प्रतिभाशाली विदेशी कर्मचारियों की भर्ती कठिन हो सकती है।ट्रंप प्रशासन के दौरान एच-1बी नीति को लेकर पहले भी अनेक सख्त कदम देखे गए थे और अब पुनः ऐसी चर्चाएं तेज हो गई हैं। अमेरिकी श्रम बाजार में घरेलू कर्मचारियों को प्राथमिकता देने,विदेशी श्रमिकों के वेतन मानकों को बढ़ाने, आवेदनों की जांच को कठोर बनाने तथा रोजगार-आधारित आव्रजन को सीमित करने जैसे विचार रिपब्लिकन राजनीति के एक प्रभावशाली वर्ग में लंबे समय से मौजूद रहे हैं। अमेरिकन व्हाइट-कॉलर वर्कर जॉब्स एक्ट इन्हीं विचारों का विधायी विस्तार माना जा रहा है।

साथियों, इस पूरे विवाद का सबसे अधिक प्रभाव भारतीय समुदाय पर पड़ सकता है। भारत एच-1बी वीजा प्राप्त करने वाले देशों में लंबे समय से अग्रणी रहा है। अमेरिकी तकनीकी उद्योग में भारतीय इंजीनियरों और पेशेवरों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। बड़ी संख्या में भारतीय परिवारों ने अमेरिका में स्थायी भविष्य की योजना एच-1बी से ग्रीन कार्ड की पारंपरिक यात्रा के आधार पर बनाई है। यदि यह मार्ग सीमित या बंद हो जाता है तो लाखों लोगों की दीर्घकालिक योजनाएं प्रभावित हो सकती हैं।भारतीय छात्रों के लिए भी यह प्रस्ताव चिंता का विषय है। हर वर्ष हजारों छात्र अमेरिकी विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा के लिए जाते हैं और ओपीटी तथा बाद में एच-1बी वीजा के माध्यम से अपने करियर की शुरुआत करते हैं।

(-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए (एटीसी)

कर्नाटकः डीके शिवकुमार के सीएम होने के मायने

डॉ. सुधीर सक्सेना

28 मई को अंततः कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर सियासत की दरोदीवार पर अटकलों और कयासों के सब्ज़े उगने का दौर तब थम गया, जब मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने पद से इस्तीफा देने का ऐलान किया। इसके लिये उन्होंने अपने मंत्रिमंडलीय सहयोगियों को अपने सरकारी आवास पर सुबह के नाश्ते पर आमंत्रित किया और बीते तीन साल में उनके सहयोग के लिए आभार जताते हुये कहा कि वह अपरान्ह तीन बजे इस्तीफा देने राजभवन जाएंगे। उन्होंने कांग्रेस विधायकों से जब उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को सहयोग की बात कही, तो यह स्पष्ट हो गया कि शिवकुमार उनके उत्तराधिकारी होंगे। मई का महिना शिवकुमार के लिए बड़ा मायने रखता है। उनका जन्म आज से चौसंठ साल पहले 15 मई को कनकपुरा में हुआ था और सन 2023 में मई माह में ही उनके अथक प्रयासों से बीजेपी की येदियुरप्पा- सरकार को अपदस्थ कर कांग्रेस की सत्ता में वापसी हुई थी। यह दीगर है कि जीतोड़ कोशिशों के बाद डीकेएस तब सीएम नहीं बन सके थे और उनसे वरिष्ठ और अनुभवी सिद्धारमैया ने बज़िद बाजी मार ली थी। बहरहाल, 28 मई को डीकेएस को सुबह का ब्रेकफास्ट उनके अपने जन्मदिन और कांग्रेस सरकार की सालगिरह के समारोह के नाश्तों से अधिक सुखद और लज्जतदार लगा होगा, क्योंकि इस रोज उनका पालित सपना या साध पूरी हुई।

डीकेएस यानि डोडालाहल्ली केंपेगौड़ा शिवकुमार कर्नाटक के शीर्षस्थ नेताओं में शुमार हैं। वह धनाढ्य हैं, लोकप्रिय हैं, जुझारू और दबंग हैं और कुशल रणनीतिकार हैं। वह महत्वाकांक्षी हैं। करीब चार दशकों का उनका सियासी सफर दिलचस्प और घटनाप्रधान रहा है। वह खांटी कांग्रेसी हैं और सोनिया गांधी के प्रति उनके मन में गहरा सम्मान है। तीन साल पहले कर्नाटक में

सत्ता में कांग्रेस की वापसी पर उन्होंने सोनियाजी से अपना कौल निभाने की बात कही थी। डीकेएस का कॉन्फिडेंस लेबेल गज़ब का है। उन्हें जायंट-किलर यूं ही नहीं माना जाता। पहलेपहल उन्हें इस विशेषण से तब नवाजा गया था, जब सन 1989 में सथानूर से एचडी देवेगौड़ा को हराया था। इसी क्रम में उन्होंने एचडी कुमारस्वामी, पीजीआर सिंधिया और अनिता कुमार स्वामी को भारी मतों के अंतर से परास्त किया। देवेगौड़ा परिवार की त्रयी को हराने की तिकड़ी उनके खाते में दर्ज है। सन 2018 में उनकी जीत का अंतर अस्सी हजार से अधिक मतों का था। सन 2019 की भगवा लहर में भी वह अपने भाई डीके सुरेश को लोकसभा के लिए जिताने में कामयाब रहे। उनकी ब्यूह रचना का लोहा उनके विरोधी भी मानते हैं। वह कुबेर राजनेता हैं और सन 2018 में चुनावी हलफनामे में उन्होंने 840 करोड़ की संपत्ति दर्शाई थी।

डीकेएस का जीवन संघर्षों से बिंधा रहा है। सन 2017 में उनके दफ्तरों, ठिकानों और बिड़दी में ईगलटन गोल्फ रिजार्ट पर आयकर छापा पड़ा। उनके बंगलौर, चेन्नै, दिल्ली और मैसूरू के 67 ठिकानों पर तीन सौ अफसरों ने अस्सी घंटे छानबीन की। मौके पर सीआरपीएफ की तैनाती हुई। करीब दस करोड़ की संपत्ति जब्त हुई। अग्रिम जमानत के बावजूद तीन सितंबर, 2019 को उन्हें गिरफ्तार किया गया और डेढ़ माह से अधिक का समय उन्हें तिहाड़ जेल में बिताना पड़ा। उन पर मनी लांड्रिंग, कर वंचन, अवैध खनन के आरोप लगे, लेकिन वह डिगे नहीं और सोनिया-राहुल के प्रति अडिग वफादारी के सुबूत देते रहे। दिल्ली में गत दिनों मैराथन बैठकों ने संकेत दिया था कि कर्नाटक की देगची में नेतृत्व परिवर्तन की खिचड़ी पक रही है। सिद्धारमैया ने कहा भी कि वह केंद्रीय नेतृत्व के कहने पर त्यागपत्र दे रहे हैं। कर्नाटक-प्रभारी सुरजेवाला इसे पॉवर-शेयरिंग नहीं मानते, लेकिन यह तय है कि डीकेएस के सब्र का प्याला छलकने की वेला आ सकती थी। कर्नाटक में 224 के सदन में कांग्रेस के 136, बीजेपी 63 और जेडीएस के 18 विधायक हैं। इसके बावजूद कर्नाटक बीजेपी के अध्यक्ष विजयेंद्र के कथन कि कर्नाटक में समय पूर्व चुनाव को कोई रोक नहीं सकता, ने धुकधुकी बढ़ा दी है। सीएम के विधि सलाहकार पोन्नन्ना भी वेट एंड वाच की बात कह रहे हैं, क्योंकि राज्यपाल थावरचंद गहलोत राजधानी के बाहर हैं और मुख्यमंत्री से उनके रिश्ते जगजाहिर हैं। कोई नहीं जानता कि सिद्धारमैया की भूमिका क्या होगी, मगर कांग्रेस के लिए कर्नाटक बड़ा मायने रखता है और तीन साल बाद ही सही डीकेएस के लबों और प्याली के बीच फासला मिटता दीख रहा है। नेतृत्व परिवर्तन के प्रसंग का पटाक्षेप इस तरह हुआ कि शिवकुमार ने सिद्ध के पांव छुवे और सिद्ध ने उन्हें गले लगाया।

मेष राशि : आज के दिन परिस्थिति लाभदायी बनी रहेगी लेकिन धन कमाने के लिए आपको बौद्धिक परिश्रम अधिक करना पड़ेगा। व्यवसाय में आज भूल कर भी किसी को। उधार ना दे डूबने की संभावना अधिक है। कार्य क्षेत्र से कुछ समय निकालकर मित्र परिवार के साथ मनोरंजन में व्यतीत करेंगे परन्तु आज दुर्व्यसनों से दूर रहना अति आवश्यक है।

वृष राशि : आज आप का दिन उत्तम रहेगा लेकिन आज आप अनजाने में किसी गलतफहमी के शिकार होंगे जिससे स्नेहीजन से तकरार होगी। कार्य-व्यवसाय के लिए आज दिन शुभ है भाग्य साथ देगा प्रत्येक कार्य में थोड़ी मेहनत करनी पड़ेगी लेकिन सफलता निश्चित मिलेगी। नौकरी वाले लोग आज कार्य भार बढ़ने से असहजता अनुभव करेंगे। कार्यो में कुछ गलती होने की आशंका है इसका दोष किसी अन्य के ऊपर मढने का प्रयास करेंगे।

मिथुन राशि : आज के दिन आप निश्चिन्त होकर दिनचार्य बिताएंगे। दिन का अधिकांश समय शांति से व्यतीत होगा। मानसिक रूप से दृढ़ रहेंगे। जिस भी कार्य को करने की ठानेंगे उसे हानि-लाभ की परवाह किये बिना पूर्ण करके छोड़ेंगे। आर्थिक स्थिति आज बेहतर रहेगी। स्वयं एवं घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति आसानी से कर लेंगे।

कर्क राशि : आज के दिन आपको अनचाहे हालातो का सामना करना पड़ेगा। जिस भी कार्य को करेंगे उसमे व्यवधान आएगा। आपके विचारों अथवा कार्य शैली का विरोध हो सकता है। महिलाये आज अधिक भावुक रहेंगी छोटी मोटी बातो को प्रतिष्ठा से जोड़ेंगी। शारीरिक परिश्रम की अपेक्षा दिमागी परिश्रम को ज्यादा महत्त्व देंगे इसमें सफल भी रहेंगे।

सिंह राशि : आज भी दिन आपके अनुकूल रहेगा आज आपके साथ लंबे समय तक के लाभ के संबंध जुड़ेंगे। रोजगार के क्षेत्र में किये जा रहे प्रयास आज फलीभूत होने से आर्थिक समस्याओं का समाधान होगा। बेरोजगार व्यक्तियों को भी रोजगार मिलने की सम्भावना बनेगी। आज आपसे बहस में कोई नहीं जीत पायेगा। बड़बोलेपन के कारण महिलाओं के सम्मान में कमी होगी।

कन्या राशि : आज का दिन आपकी सुख सुविधा में बढ़ोतरी वाला है। परन्तु स्वभाव में लापरवाही भी रहने से इसका पूरा लाभ नही उठा पाएंगे। आर्थिक दृष्टिकोण से आज का दिन पिछले कुछ दिनों से बेहतर रहेगा। कार्य क्षेत्र से अतिरिक्त आय होगी। रुके हुए कार्य पूर्ण होने से भी धन के स्त्रोत्र बढ़ेंगे। सामाजिक गतिविधियों में पूरा समय ना दे पाने से लोगो से दूरी बन सकती है।

तुला राशि : आज के दिन आपको किसी परिचित से नई व्यवहारिक सीख मिलेगी। आपके मन में भी आज कुछ नया सीखने अथवा करने की भावना रहेगी। आर्थिक दृष्टिकोण से संतुष्टि रहेगी। कार्य क्षेत्र पर बिक्री बढने से धन की आमद बनेगी। व्यक्तित्व का विकास होने से सामाजिक छवि बेहतर बनेगी। परन्तु पारिवारिक समस्याओं के कारण मन अशांत रहेगा। धन से अधिक संबंधो को प्राथमिकता देने पर भी शांति नही मिलेगी।

वृश्चिक राशि : आपको आज का दिन शांत रहकर बिताने की सलाह है। अन्यथा सारा दिन संबंधियों से रूठने मनाने में ही व्यतीत हो जायेगा। घरेलू कलह विकराल रूप ले सकती है परिजनों की गलतियों को अनदेखा करने में ही आज भलाई है लेकिन आज किसी के आगे समर्पण भी ना करें ।

धनु राशि : आज का दिन आपको अवश्य धन लाभ करायेगा कारोबार व्यवसाय में अचानक बढ़ोतरी होगी लेकिन सहकर्मियों का विपरीत व्यवहार से क्रोध भी आयेगा। नौकरी पेशा जातक आज किसी ना किसी कारण अधिकारी वर्ग से परेशान रहेंगे। महिलाये आज गुप्त तरीके से धन संचय करेंगी सौंदर्य प्रसाधन एवं अन्य व्यक्तिगत कार्यो पर खर्च भी करेंगी। परिवार के प्रति अधिक भावनात्मक बनेंगे। ।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिये मिश्रित फलदायक रहेगा। दिन के आरंभ थोड़े विलम्ब से होगा पूजा-पाठ के लिये समय निकालेंगे। कार्य क्षेत्र पर आज किसी बहुप्रतीक्षित योजना में विलंब होने से मन बेचैन होगा सहयोगी भी मनमानी करेंगे। आज लाभ पाने के लिये आपको स्वयं के सामर्थ्य कार्य करने पढ़ेंगे।

कुंभ राशि : आज के दिन आपकी दिनचार्य में उठापटक लगी रहेगी। आज जिस भी कार्य को करें बीच-बीच मे उसकी समीक्षा अवश्य करले गलत दिशा में जाने की संभावना है। आज आपमे व्यवहारिकता की कमी रहेगी जिससे किसी से काम निकालना मुश्किल होगा। आर्थिक विषय आज खास परेशान करेंगे। भागीदारी के कार्य में हानि होने की संभावना भी है।

मीन राशि : आज का दिन आपको कुछ ना कुछ हानि ही करायेगा। परिवार अथवा कार्य क्षेत्र पर कोई दुखद घटना होने की संभावना है किसी भी प्रकार का जोखिम ना लें। आज धन बचाने की जगह अतिरिक्त खर्च होगा। पुरानी गलतियों या व्यवहार की कमी के कारण आज मन में ग्लानि रहेगी।

आज शान्ति और संयम से काम लेने की जरुरत

संजय गोस्वामी

श्री राम की मर्यादा उनके कर्म ही आपको मानवता का संदेश देती है भगवान राम राजा बनने वाले थे और 14 साल का वनवास मिल गया आज थोड़ा सा दुःख हुआ नहीं की सिस्टम और सरकार का दोष, यह लोकतान्त्रिक देश 140 करोड़ लोगों का भारत है जब ठीक नहीं लग रहा बाद में चुनाव में हरा देना बहुत ज्यादा बुराई लिखने कॉकरोच पार्टी बनाने से दूसरे देश में ऐ खबर मज़ाक बन जाती है इसलिए कठिन परिस्थिति में संयम और शान्ति से काम लें राम ने भगवान शिव का त्रिपुरासुर धनुष उठाया था। यहाँ तक कि देवताओं, राक्षसों और नागों की पूरी सभा भी उसे नहीं उठा पाई थी। राम ने विष्णु का शारंग धनुष भी उठाया और तीनों लोकों (ब्रह्मांड) को हिला दिया। उन्होंने धुंधुभी नाम के एक राक्षस के शव को, जो कैलाश पर्वत से भी ऊँचा था, बस एक झटके में 10 योजन दूर फेंक दिया। राम ने एक ही बाण से पृथ्वी की सात परतों को भेद दिया। एक ही साधारण बाण से पूरे समुद्र को सुखा दिया। राम ने रावण पर अचूक ब्रह्मास्त्र का प्रयोग किया, जिसका वज़न मेरु और मंदार पर्वतों जितना था। राम कितने शक्तिशाली हैं? वे समस्त शक्ति के स्रोत हैं! वे नारायण का ही एक रूप हैं! उनकी शक्तियों की कोई सीमा नहीं है। [वाल्मीकि रामायण 5-51-45] में कहा गया है कि जिसे श्री राम मारने का निश्चय कर लें, उसे ब्रह्मा और शिव भी नहीं बचा सकते। चाहे चार मुख वाले स्वयंभू देवता ब्रह्मा हों, या तीन आँखों वाले रुद्र (जिन्होंने त्रिपुरा—माया द्वारा राक्षसों के लिए आकाश, वायु और पृथ्वी में सोने, चाँदी और लोहे से बनाए गए नगर—को जलाया था), या फिर वातावरण और आकाश के देवता तथा देवताओं के स्वामी महेंद्र हों; इनमें से कोई भी उस व्यक्ति को नहीं बचा सकता, जिसे राम युद्ध में मारने का निश्चय कर लें। वाल्मीकि रामायण 1–1–17 में कहा गया है कि वे स्वयं ही सत्य हैं और ऐसा कोई नहीं है जो उनकी बराबरी कर सके। शौर्य में राम विष्णु के समान हैं, और अपनी सुंदरता में वे चंद्रमा की तरह आकर्षक हैं; क्षमाशीलता में वे पृथ्वी के तुल्य हैं, लेकिन अपने क्रोध में वे प्रलयकारी अग्नि के समान हैं... और उदारता में वे धन के देवता कुबेर के समान हैं, तथा अपनी सत्यनिष्ठा में वे साक्षात् धर्म के समान हैं—सत्य का ही मूर्त रूप—जिनका कोई प्रतिद्वंद्वी नहीं है। वाल्मीकि रामायण के अरण्य कांड में कहा गया है कि यदि समस्त देवता और तीनों लोकों की समस्त सेनाएँ भी एक साथ आ जाएँ, तो भी वे श्री राम की शक्ति के सामने कुछ भी नहीं हैं। हे वैदेही! तुम्हारे पति को सर्प, असुर, गंधर्व, देवता, पिशाच या राक्षस—कोई भी पराजित नहीं कर सकता; इसमें तनिक भी संदेह नहीं है। हे शुभलक्षणा! देवताओं, मनुष्यों, गंधर्वों, पक्षियों, राक्षसों, किन्नरों, पशुओं, अथवा हे देवी, यहाँ तक कि अत्यंत भयानक राक्षसों में भी ऐसा कोई योद्धा नहीं है जो युद्ध में राम का सामना कर सके; क्योंकि किसी भी युद्ध में राम की शक्ति इंद्र के तुल्य होती है। इस प्रकार की बातें करना तुम्हारे लिए अनुचित है, क्योंकि युद्ध में राम को पराजित करना असंभव है; और जहाँ तक मेरी बात है, मैं राघव (राम) की अनुपस्थिति में तुम्हें इस घने वन में अकेला छोड़ने का साहस कदापि नहीं कर सकता। चाहे समस्त शक्तिशाली सम्राट अपनी संपूर्ण सेनाओं के साथ आ जाएँ, अथवा समस्त देवता अपने प्रमुखों के साथ एकत्रित हो जाएँ—अरे, उनकी तो बात ही क्या—यदि तीनों लोक भी एक साथ मिलकर, चाहे सामूहिक रूप से या अलग-अलग, विद्रोह करते हुए आ जाएँ, तो भी राम के पराक्रम को कोई रोक नहीं सकता। वाल्मीकि रामायण (1–1–65) में कहा गया है कि उन्होंने राक्षस दुंदुभि के मृत शरीर को अपने पैर के अंगूठे से मात्र स्पर्श करके ही दस योजन दूर तक उछाल दिया था! (एक योजन लगभग 13 किलोमीटर के बराबर होता है, अतः दस योजन का अर्थ हुआ 1300 किलोमीटर!) विशाल भुजाओं वाले और अत्यंत शक्तिशाली राम ने जब दुंदुभि की अस्थियों को देखा, तो वे मुस्कुराए और अपने पैर के अंगूठे की सहायता से उस संपूर्ण शरीर को दस योजन की दूरी तक फेंक दिया। वाल्मीकि रामायण (1–1–67) में वर्णित है कि श्री राम ने अपने एक ही बाण से सात वृक्षों को भेद दिया था; वह बाण एक पर्वत को चीरता हुआ पृथ्वी के सबसे निचले तल (पाताल लोक) तक जा पहुँचा था! फिर एक बार, राम ने केवल एक ही विशाल बाण से सात विशाल साल के पेड़ों को भेद दिया; यह बाण न केवल उन पेड़ों के आर-पार निकल गया, बल्कि एक पर्वत को भी चीरता हुआ पृथ्वी के सबसे निचले पाताल लोक तक जा पहुँचा—यह सब सुग्रीव के मन में विश्वास जगाने के लिए किया गया था... वाल्मीकि रामायण के युद्ध कांड में कहा गया है कि श्री राम अपनी उंगली के सिर्फ़ एक पोर से ही सभी राक्षसों और दुष्ट शक्तियों का संहार कर सकते हैं! इससे क्या फ़र्क पड़ता है कि वह राक्षस कितना दुष्ट है या नहीं? वह मेरा ज़रा सा भी अहित करने में सर्वथा असमर्थ है। हे सुग्रीव, वानर सेना के स्वामी! यदि मैं चाहूँ, तो पृथ्वी पर विचरण करने वाले उन सभी आसुरी जीवों, राक्षसों, अलौकिक प्राणियों और नरभक्षी पिशाचों का संहार अपनी उंगली के सिर्फ़ एक पोर से ही कर सकता हूँ। एक कथा में यह प्रसंग आता है कि कैसे एक कबूतर ने अपने शत्रु (एक बहेलिए) को—जब वह शरण माँगने उसके पास आया—अतिथि-सत्कार के समस्त नियमों का पालन करते हुए स्वीकार किया, और यहाँ तक कि उसे अपने ही शरीर का मांस परोसकर भोजन के लिए आमंत्रित किया। सच तो यह है कि श्री राम की इच्छा के बिना, इस सृष्टि में ऐसा कोई भी नहीं है जो उनके समक्ष खड़ा होने का भी साहस कर सके। श्री राम ही सब कुछ हैं। वे इस संपूर्ण ब्रह्मांड के कण-कण में व्याप्त हैं, और यह संपूर्ण ब्रह्मांड उन्हीं में समाया हुआ है। वे ब्रह्मा के रूप में सृष्टि की रचना करते हैं; शिव के रूप में उसका संहार करते हैं; और अपने आदि-स्वरूप नारायण के रूप में वे समस्त सृष्टि का पालन-पोषण करते हैं। केवल एक ही ऐसी चीज़ है जिसे स्वयं श्री राम भी कभी नज़रअंदाज़ नहीं कर सकते—और वह है, किसी सच्चे भक्त की अनन्य भक्ति। जो कोई भी भक्त श्री सीता-राम की भक्ति में पूरी तरह से लीन हो जाता है, उसे साकेत धाम में परम मोक्ष प्रदान करने के लिए श्री राम सदैव तत्पर और वचनबद्ध रहते हैं।सनातन धर्म में, भगवान राम को मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है। उनके चरणों (चरण कमल) को बहुत पवित्र और भक्तों के दुखों का नाश करने वाला माना जाता है। हिंदू धर्म में गोस्वामी तुलसीदास महाराज कहते हैं भजमन राम चरण सुखदाई क्योंकि उनके चरण स्पर्श मात्र से अहिल्या पत्थर से पुनः जीवित हो गई जो इस संसार में भगवान राम के अलावा और क़ोई नहीं कर सकता है.संसार में करने की प्रधानता है और परमात्मा में श्रद्धा, भक्ति, मानने की बात है । देरी क्यों लगती है ? क्रिया पर जोर देते हैं (इसलिए) । गीता में तत्काल सिद्धि की बात बताई है । तो क्यों है; क्योंकि वह बनी हुई है, स्वतः सिद्ध है । तो अपना स्वरूप स्वतः सिद्ध है । इसमें दृष्टि डालने की जरूरत है । ऐसे परमात्मा हैं, उसमें भक्ति - भाव, श्रद्धा की जरूरत है । भाव से सिद्धि जल्दी होती है । (मानना है) भगवान् मेरे हैं । प्रहलाद जी को पूछा भगवान् कहां है ? तो प्रह्लाद जी ने कहा कि भगवान् कहां नहीं है । ऐसे ही भगवान् राम ने वाल्मीकि जी से पूछा- मैं कहां रहूं ? तो वाल्मीकि जी कहते हैं मैं पूछता सकुचाता हूं कि आप कहां नहीं हैं ? तो इसमें भाव की प्रधानता है । मैं हूं । तो शरीर को मिलाकर कहता है - मैं हूं । तो देरी लगती है । मैं प्रकृति का अंश है । हूं परमात्मा का अंश है । "है" के साथ "नहीं" मिला दिया, तो मरने का डर लगता है । मरने का भय लगता है - मैं और मेरा मानने से । भय, इच्छा से रहित हो जाए तो तत्व की प्राप्ति हो जाए । इस वास्ते कामना के त्याग की बात भगवान् ने बहुत कही है । इच्छा, कामना के कारण ही संसार से संबंध है । आप विचार कर लो जिन से संबंध नहीं है, उनसे इच्छा नहीं होती; क्योंकि सोचते हैं हमारे को इन से क्या लेना ? एक आवश्यकता होती और एक इच्छा होती है । आवश्यकता तो है परमात्मा राम को पाने की, इच्छा होती है (जड़ की) संसार की । जड़ में भी आवश्यकता और इच्छा दो होती है ।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

शुभमन को टी20 टीम से बाहर रखने का कारण सामने आया

बीसीसीआई चाहता है कि अभी एकदिवसीय विश्वकप पर ही ध्यान दें

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय टी20 टीम के नये कप्तान की दौड़ में शुभमन गिल को प्रमुख दावेदार माना जा रहा था पर उनकी जगह पर श्रेयस अय्यर को कप्तानी मिल गयी। इस पर कई प्रशंसकों का हैरान भी हुई क्योंकि शुभमन ने हाल ही में समाप्त हुए आईपीएल में 700 से अधिक रन बनाये थे। वहीं अब उन्हें टी20 टीम की कप्तानी नहीं दिये जाने का कारण सामने आया है। चयन समिति ने शुभमन कहा दिया था कि अभी वह 2027 एकदिवसीय विश्व कप तक टेस्ट और एकदिवसीय मुकाबलों तक ही सीमित रहें। जिससे वह बड़े आईसीसी टूर्नामेंटों के लिए तरोताजा बने रहें। चयनकर्ताओं को लगता था कि अगर शुभमन तीनो प्रारुपों की कप्तानी करेंगे तो उन्हें थकान होने की आशंका है क्योंकि भारतीय टीम का अगले 18 महीने का कार्यक्रम बेहद व्यस्त है। गौरतलब है कि गिल को 2027 विश्व कप शुरू होने से पहले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के नौ टेस्ट मैचों में भारत की कप्तानी करनी है और करीब 35 एकदिवसीय भी खेलने हैं। इसके अतिरिक्त, वह आईपीएल में गुजरात टाइटन्स के कप्तान भी हैं। ऐसे में उन्हें टेस्ट और एकदिवसीय विश्व कप के लिए पूरी तरह से फिट और केंद्रित रखना जरुरी है। इसी कारण चयनकर्ता उन्हें सभी प्रारूपों में एक साथ खेलने के बोझ से बचाना चाहते हैं जिससे उनकी फॉर्म और फिटनेस प्रभावित न हो और वह बड़े मुकाबलों में प्रभावी भूमिका निभा सकें। इसके अलावा, वर्तमान टी20 टीम में शीर्ष क्रम में संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और पदार्पण करने जा रहे वैभव सूर्यवंशी जैसे खिलाड़ी पहले से ही मौजूद हैं। ऐसे में किसी और बल्लेबाज को शीर्ष क्रम बल्लेबाज को शीर्ष क्रम में शामिल करना टीम संतुलन को बिगाड़ देगा। शुभमन की कमजोर आईपीएल फॉर्म को देखते हुए, उन्हें टी20 टीम से बाहर रखने का मुख्य कारण भविष्य को देखते हुए बनायी गयी रणनीतिक प्राथमिकता ही है, न कि प्रदर्शन। इसी कारण शुभमन को टी20 प्रारुप में शामिल नहीं किया गया है पर माना जा रहा है कि साल 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक या ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले उन्हें फिर से इस प्रारूप में शामिल किया जा सकता है। साल 2028 में होने वाले दो बड़े टी20 टूर्नामेंट के लिए अभी काफी समय है। ऐसे में शुभमन का ध्यान निकट भविष्य के मुकाबलों पर है।

अगले दो दशक तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दबदबा बनाना चाहते हैं वैभव

एजेंसी, मुम्बई

15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी भारतीय टी20 टीम में जगह मिलने पर बेहद खुश हैं। वैभव का कहना है कि उनका लक्ष्य अगले दो दशक तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलना है। इस बल्लेबाज ने एक राजस्थान रॉयल्स के मैनेजर रोमी भिंडर को दिए गए एक साक्षात्कार में कहा कि वह इस प्रारुप में दबदबा बनाना चाहते हैं। वैभव को घरेलू क्रिकेट के बाद आईपीएल में भी बेहतरीन प्रदर्शन के लिए आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 दौरों के साथ-साथ ही एशियाई खेलों के लिए शामिल किया गया है। अपने लक्ष्यों को लेकर वैभव ने कहा, मैं केवल खेलने नहीं आया हूं। मैं अगले 10 से 20 साल तक प्रभावी प्रदर्शन चाहता हूं। उन्होंने आईपीएल फाइनल के बाद पूर्व कप्तान विराट कोहली के साथ हुई मुलाकात को याद करते हुए कहा जब उन्होंने मेरे कंधे पर हाथ रखा, तो असल में मुझे लग रहा था कि मेरा सपना पूरा हो गया है। यह पल उनके लिए केवल एक मुलाकात से कहीं बढ़कर था, यह एक युवा खिलाड़ी के लिए किसी सपने के सही होने जैसा था।

आईपीएल 2026 के अपने प्रदर्शन को लेकर हुए, वैभव ने माना है कि व्यक्तिगत सफलता के बावजूद कुछ निराशा भी थी। उन्होंने कहा, अगर अंतिम मैच में हम जल्दी विकेट नहीं खोते तो हम आईपीएल 2026 का फाइनल खेल रहे होते। अपनी टीम राजस्थान रॉयल्स के भविष्य के लिए उन्होंने कहा कि आने वाले समय में हम अधिक से अधिक बार ट्रॉफी जीतना चाहेंगे।साथ ही कहा कि उन्हें लाल गेंद क्रिकेट से भी प्यार है। उन्होंने कहा, मुझे लाल गेंदब वाला क्रिकेट खेलना है क्योंकि मैं इसे पसंद करता हूं। मेरा सपना तीनों प्रारुपों में खेलना है। वैभव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने को लेकर उत्साहित होने के साथ ही आत्मविश्वास से भरे दिखे।

श्रेयस अय्यर सफल कप्तान साबित होंगे : रोहित

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने टी20 प्रारुप के लिए कप्तान बनाये गये श्रेयस अय्यर की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनमें वो सभी खूबियां है जो सफल कप्तान में होनी चाहिये। ऐसे में कप्तान के तौर पर उनका कार्यकाल सफल रहेगा। रोहित के अनुसार कप्तान के तौर पर उन्हें आईपीएल और घरेू क्रिकेट में अच्छा अनुभव है जो उनके काम आयेगा। उन्होंने कहा है कि अय्यर भारतीय टीम को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और देश के भावी कप्तान के रूप में एक शानदार कार्यकाल बिताएंगे। रोहित ने कहा कि श्रेयस को आईपीएल कप्तानी के अनुभवों का भी लाभ मिलेगा। रोहित ने कहा कि कोलकाता नाइट राइडर्स को 2024 का खिताब जिताने और फिर 2025 में पंजाब किंग्स को फाइनल तक पहुंचाने के उनके अच्छे रिकॉर्ड को देखते हुए, उन्हें पूरा विश्वास है कि वह भारतीय टीम की कप्तान संभालने के लिए तैयार हैं। टी20 मुंबई लीग के ब्रांड एंबेसडर बने रोहित ने कहा, मुझे भरोसा है कि पिछले कुछ साल में उन्होंने अपनी फ्रेंचाइजी के लिए जिस तरह से कप्तानी की है, उसे देखते हुए उनका समय अच्छा रहेगा। रोहित ने कहा कि मुंबई के क्रिकेटरों के लिए कुछ भी आसान नहीं होता क्योंकि मुकाबला कड़ा होता है। उन्होंने कहा, देखिए, मुंबई में खेलना और मुंबई का प्रतिनिधित्व करना आपको बहुत कुछ सिखाता है क्योंकि यहां कुछ भी आसानी से नहीं मिलता।

गुलाबी गेंद के इस्तेमाल के पक्ष में गौतम गंभीर

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टेस्ट क्रिकेट में खराब रोशनी की स्थिति से निपटने के लिए गुलाबी गेंद के इस्तेमाल का समर्थन किया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा हाल ही में लिए गए फैसले का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि यदि किसी मैच का परिणाम निकालने का अवसर मौजूद हो तो उसे हर हाल में सुनिश्चित किया जाना चाहिए। टेस्ट क्रिकेट में अक्सर खराब रोशनी के कारण खेल रोकना पड़ता है, जिससे मैच का समय प्रभावित होता है और कई बार नतीजा भी नहीं निकल पाता। इसी समस्या के समाधान के लिए आईसीसी ने एक नया प्रयोग मंजूर किया है। इसके तहत पारंपरिक लाल गेंद से शुरू होने वाले टेस्ट मैचों में यदि रोशनी की समस्या पैदा होती है और दोनों टीमें सहमत हों, तो फ्लडलाइट की रोशनी में गुलाबी गेंद का इस्तेमाल किया जा सकेगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य खेल के अधिक से अधिक ओवर पूरे कराना और मैच को परिणाम तक पहुंचाने की संभावना बढ़ाना है। आईसीसी बोर्ड की हालिया बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

सूर्यकुमार को बाहर नहीं किया गया बल्कि आराम दिया गया है : एमएसके प्रसाद

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व चयनकर्ता एमएसके प्रसाद का कहना है कि सूर्यकुमार यादव को भारतीय टी20 टीम से बाहर किये जाने की बातें गलत हैं। वास्तवकता ये है कि उन्हें आराम दिया गया है। वहीं इससे पहले शनिवार को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आयरलैंड और -इंग्लैंड दौरे के अलावा एशियाई खेलों के लिए भी टीम घोषित कर दी थी पर इसमें सूर्यकुमार को शामिल नहीं किया गया। चयनकर्ताओं ने सूर्यकुमार की जग श्रेयस अय्यर को नया कप्तान भी बना दिया। इससे ये कहा जा रहा है कि सूर्यकुमार का अंतरराष्ट्रीय करियर अब समाप्ता हो गया है। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने 2026 टी20 विश्व कप खिताब जीता था पर इस दौरान उनका स्वयं का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। इसी कारण इस बार उन्हें टीम में जगह नहीं मिली। वहीं प्रसाद का कहना है कि सूर्यकुमार को जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या की तरह आराम दिया गया है और वह जल्द ही टीम में वापसी करेंगे। प्रसाद ने कहा, आप अपने विश्वकप विजेता कैप्टन को ऐसे नहीं हटाते। जिस प्रकार से बुमराह और हार्दिक पांड्या को आराम दिया गया है। मेरा मानना है कि उसकी प्रकार से ही सूर्यकुमार को भी आराम दिया गया होगा। उन्होंने आगे कहा, "वह बहुत अच्छा और बहुत बड़ा खिलाड़ी है, उसे इस प्रकार से अचानक ही बाहर नहीं किया जा सकता। दूसरी बोर बोर्ड ने सूर्या को किसी भी दौरे के लिए नहीं रखा है जबकि बुमराह का नाम एशियाई खेलों के लिए शामिल है।

बिजनेस

टॉप 10 में शामिल सात कंपनियों का मार्केट कैप 1.25 लाख करोड़ से अधिक गिरा

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में शामिल सात कंपनियों के मार्केट कैप में गिरावट आ गई, जबकि तीन कंपनियों के मार्केट कैप में बढ़ोतरी हो गई। शीर्ष स्थान पर मौजूद इन दस कंपनियों में से सात के मार्केट कैप में सोमवार से शुक्रवार तक के कारोबार के बाद 1.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आ गई। इनमें सबसे अधिक नुकसान देश में सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ, जबकि मार्केट कैप में गिरावट के मामले में दूसरा स्थान टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने हासिल किया। दूसरी ओर, टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में शामिल कंपनियों में शेष बची तीन कंपनियों के मार्केट कैप में 21 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। मार्केट कैप में बढ़ोतरी होने के मामले में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) सबसे आगे रही, जबकि आईसीआईसीआई बैंक दूसरे स्थान पर रही। इस सप्ताह के कारोबार के बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारती एयरटेल, लार्सन एंड टूब्रो, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में 1,25,670.23 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई। दूसरी ओर, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), आईसीआईसीआई बैंक और एचडीएफसी बैंक के मार्केट कैप में 21,278.42 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। सोमवार से शुक्रवार के बीच हुए चार दिन के कारोबार के बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 39,718 करोड़ रुपये घट कर 17,47,321.40 करोड़ रुपये के स्तर तक पहुंच गया। इसी तरह टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 20,134.66 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 7,95,346.09 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अलावा, भारती एयरटेल का मार्केट कैप 18,736.04 करोड़ रुपये कम होकर 10,96,150.49 करोड़ रुपये के स्तर पर, लार्सन एंड टूब्रो (एलएंडटी) का मार्केट कैप 16,880.20 करोड़ रुपये की कमजोरी के साथ 5,43,956.44 करोड़ रुपये के स्तर पर, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मार्केट कैप 14,610.74 करोड़ रुपये फिसल कर 5,05,873.32 करोड़ रुपये के स्तर पर, बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 9,681.36 करोड़ रुपये की कमजोरी के साथ 5,53,580.97 करोड़ रुपये के स्तर पर और हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 5,909.23 करोड़ रुपये घट कर 4,98,301.31 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। दूसरी ओर, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 12,692.09 करोड़ रुपये की उछाल के साथ 9,02,523.63 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 4,484.86 करोड़ रुपये बढ़ कर 9,05,074.77 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा, एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 4,101.47 करोड़ रुपये उछल कर 11,50,743.31 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज 17,47,321.40 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ देश की सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रही। इसके बाद एचडीएफसी बैंक (कुल मार्केट कैप 11,50,743.31 करोड़ रुपये), भारती एयरटेल (कुल मार्केट कैप 10,96,150.49 करोड़ रुपये), आईसीआईसीआई बैंक (कुल मार्केट कैप 9,05,074.77 करोड़ रुपये), स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कुल मार्केट कैप 9,02,523.63 करोड़ रुपये), टीसीएस (कुल मार्केट कैप 7,95,346.09 करोड़ रुपये), बजाज फाइनेंस (कुल मार्केट कैप 5,53,580.97 करोड़ रुपये), लार्सन एंड टूब्रो (कुल मार्केट कैप 5,43,956.44 करोड़ रुपये), भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) (कुल मार्केट कैप 5,05,873.32 करोड़ रुपये) और हिंदुस्तान यूनिलीवर (कुल मार्केट कैप 4,98,301.31 करोड़ रुपये) के नाम सबसे मूल्यवान टॉप 10 कंपनियों के लिस्ट में दूसरे से दसवें स्थान पर बने रहे।

घरेलू सर्राफा बाजार में थमा नहीं गिरावट का दौर, सोना और चांदी की घटी चमक

एक सप्ताह में 4,690 रुपये तक सस्ता हुआ सोना

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में रविवार को जबरदस्त गिरावट का रुख नजर आ रहा है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर हिस्सों में आज सोना 2,740 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,960 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। चेन्नई में सोने की कीमत में 2,490 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,740 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। इस गिरावट के बावजूद अभी भी चेन्नई में सोना सबसे महंगा बना हुआ है। सोना की तरह ही चांदी की कीमत में भी आज 9,900 रुपये प्रति किलोग्राम तक की कमजोरी आ गई है। साप्ताहिक आधार पर देखें तो पिछले सप्ताह के कारोबार में सोना की कीमत में कमजोरी दर्ज की गई है। पिछले सप्ताह के कारोबार में 24 कैरेट सोने की कीमत में 4,690 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट आ गई। इसी तरह 22 कैरेट सोना साप्ताहिक आधार पर 4,300 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। चांदी के भाव में भी पिछले सप्ताह के कारोबार में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। इस गिरावट के कारण चांदी पिछले सप्ताह के भाव की तुलना में 15 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ती हो गई। भाव में आई गिरावट के कारण देश के सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,52,760 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,54,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,40,000 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,65,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,52,910 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,40,150 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,52,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,40,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,52,810 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,40,050 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,54,910 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,42,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,52,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,40,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,52,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,40,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

केंद्र ने खाने के तेल के लिए स्टैंडर्ड पैकेजिंग साइज किया अनिवार्य, नौ तरह का साइज हुआ तय

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने खाने के तेल के लिए स्टैंडर्ड पैकेजिंग साइज अनिवार्य किया है, ताकि ग्राहक अलग-अलग ब्रांड की कीमतों की तुलना कर सकें। अब कंपनियों को 200 ग्राम से लेकर 20 किलोग्राम तक के तय पैकेट में ही खाद्य तेल बेचना होगा। उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने शनिवार को जारी एक बयान में बताया कि उपभोक्ता मामलों के विभाग ने 'लीगल मेट्रोलॉजी' फ्रेमवर्क के तहत खाने के तेल के लिए स्टैंडर्ड पैक साइज तय किए गए हैं। सरकार की जारी अधिसूचना के अनुसार अब कंपनियों को 200 ग्राम से लेकर 20 किलोग्राम तक के तय पैकेट में ही खाद्य तेल को बेचना होगा। मंत्रालय ने कहा कि इस कदम का मकसद उपभोक्ताओं को अलग-अलग ब्रांड की कीमतों की तुलना करने और सोच-समझकर खरीदारी का फैसला लेने में मदद करना है। बयान के अनुसार विभाग ने खाद्य तेलों और वसा की शुद्ध मात्रा और मानक पैक साइज तय करने के लिए अपनी स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) में संशोधन किया गया है। इसके अंतर्गत मैन्युफैक्चरर्स, पैकर्स और इम्पोर्टर्स को नए नियमों का पालन करने के लिए तीन महीने का ट्रांज़िशन पीरियड दिया गया है। मंत्रालय के मुताबिक संशोधित स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर में मुख्य खाद्य तेलों (जैसे पाम, सोयाबीन, सूरजमुखी, सरसों, मूंगफली, तिल, राइस ब्रान, बिनौला और मक्का का तेल) और ब्लेंडेड खाद्य तेलों के लिए नौ स्टैंडर्ड पैक साइज़ तय किए गए हैं, जिसमें 200 मिली/ग्राम, 500 मिली/ग्राम, एक लीटर/किग्रा, 2 लीटर/किग्रा, 3 लीटर/किग्रा, 4 लीटर/किग्रा, पांच लीटर/किग्रा, 15 लीटर/किग्रा और 20 लीटर/किग्रा शामिल है। अधिसूचना के अनुसार 200 ग्राम या 200 मिलीलीटर से कम के पैकेटों पर कोई प्रतिबंध नहीं रहेगा।

अगले सप्ताह सिर्फ एक कंपनी के आईपीओ की लॉन्चिंग, छह कंपनियों के शेयर होंगे लिस्ट

एजेंसी, नई दिल्ली

सोमवार यानी आठ जून से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में मामूली हलचल रहने वाली है। इस सप्ताह सिर्फ एक कंपनी अपना आईपीओ लॉन्च कर रही है। ये आईपीओ एसएमई सेगमेंट का है। इस सप्ताह मेनबोर्ड सेगमेंट का कोई आईपीओ नहीं खुलने वाला है। इस इकलौते आईपीओ के अलावा पिछले सप्ताह खुले चार आईपीओ में भी इस सप्ताह निवेशक बोली लगा सकेंगे। इन चार आईपीओ में से तीन एसएमई सेगमेंट के हैं, जबकि एक आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट का है। इस सप्ताह छह कंपनियां स्टॉक मार्केट में एंट्री करने वाली हैं। इस सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन 12 जून को हॉरिजॉन रिक्लेम इंडिया का 54.27 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में 16 जून तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 98 रुपये से लेकर 103 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है।

आईपीओ की क्लोजिंग के बाद कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 19 जून को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर हो सकती है। इस नए आईपीओ के अलावा पिछले सप्ताह चार जून को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले वाह केमिकल्स के 13.45 करोड़ रुपये के आईपीओ में कल यानी आठ जून तक बोली लगाई जा सकती है। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 60 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 11 जून को कंपनी के शेयर बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। अभी तक इस पब्लिक इश्यू को 6.48 गुना सब्सक्रिप्शन मिल चुका है। इसी तरह चार जून को ही सब्सक्रिप्शन के लिए खुले यूएचएम वैकेसन के 36.02 करोड़ रुपये के आईपीओ में भी कल यानी आठ जून तक बोली लगाई जा सकती है। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 157 रुपये प्रति शेयर से लेकर 166 रुपये प्रति

सेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 800 शेयर का है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 11 जून को कंपनी के शेयर बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। अभी तक इस पब्लिक इश्यू को 66 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिल चुका है। इसके अलावा पिछले सप्ताह पांच जून को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले हेक्सागॉन न्यूट्रिशन के 138.87 करोड़ रुपये के आईपीओ में मंगलवार यानी नौ जून तक बोली लगाई जा सकती है। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 42 रुपये प्रति शेयर से लेकर 45 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 333 शेयर का है।

जरा हटके जरा बचके के तीन साल पूरे होने पर सारा ने की भावुक पोस्ट

बॉ बॉलीवुड फिल्म जरा हटके जरा बचके को रिलीज हुए पूरे तीन साल हो चुके हैं। निर्देशक लक्ष्मण उतेकर द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अभिनेत्री सारा अली खान और अभिनेता विक्की कौशल की जोड़ी को पहली बार बड़े पर्दे पर देखा गया था। अभिनेत्री सारा अली खान ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म के तीन साल पूरे होने के इस खास मौके पर एक भावुक पोस्ट साझा किया, जिसमें उन्होंने फिल्म से जुड़े कई यादगार पल और तस्वीरें दिखाईं। इस फिल्म ने एक आम शादीशुदा जोड़े की कहानी को बड़े ही मनोरंजक और दिल छू लेने वाले अंदाज में पेश किया था, जिसे दर्शकों का भरपूर प्यार मिला और यह बॉक्स ऑफिस पर भी सफल साबित हुई। सारा अली खान द्वारा इंस्टाग्राम पर साझा किए गए वीडियो में उनके और विक्की कौशल के बीच फिल्माई गई हल्की-फुल्की नोकझोंक, रोमांटिक पल और कुछ भावनात्मक दृश्यों की झलकियाँ देखने को मिलीं। इन दृश्यों ने फिल्म की यादें ताज़ा कर दीं। अपने कैप्शन में सारा ने लिखा, फिल्म को तीन साल पूरे हो गए हैं और इस अवसर पर मैं उन सभी लोगों को याद कर रही हूँ, जिनके साथ मैंने इस फिल्म में काम किया था। मैं विशेष रूप से दर्शकों की आभारी हूँ कि उन्होंने फिल्म को इतना प्यार और समर्थन दिया। यह पोस्ट उनके सह-कलाकारों और दर्शकों के प्रति उनके गहरे सम्मान को दर्शाता है। फिल्म जरा हटके जरा बचके की बात करें तो, इसे मैडॉक फिल्म्स और जियो स्टूडियोज के बैनर तले बनाया गया था। इसकी कहानी एक छोटे शहर में रहने वाले शादीशुदा जोड़े कपिल और सौम्या (विक्की कौशल और सारा अली खान) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपना खुद का एक घर खरीदने का सपना देखते हैं। इस सपने को पूरा करने के लिए दोनों कई चुनौतियों और मुश्किल परिस्थितियों का सामना करते हैं, और इसी क्रम में उनके रिश्ते में उतार-चढ़ाव आते हैं। फिल्म में कॉमेडी, इमोशन्स और भारतीय पारिवारिक रिश्तों का एक सुंदर मेल देखने को मिलता है, जिसने इसे दर्शकों के लिए एक बेहद आकर्षक अनुभव बनाया। 2 जून 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई इस फिल्म को शुरुआत में समीक्षकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली थी, लेकिन दर्शकों ने इसे दिल से अपनाया और फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की, जिससे इसकी लोकप्रियता स्पष्ट हुई। हाल ही में, सारा अली खान ने सोशल मीडिया पर होने वाले ट्रोलिंग को लेकर भी खुलकर बात की। उन्होंने स्वीकार किया कि ट्रोलिंग का असर उनकी मानसिक सेहत पर पड़ता है। एक कलाकार अपने दर्शकों के लिए काम करता है, इसलिए जब दर्शक किसी काम से निराश होते हैं या नकारात्मक प्रतिक्रिया देते हैं, तो उसका असर महसूस होना स्वाभाविक है। सारा ने कहा कि करियर के शुरुआती दौर में वह लोगों की राय को बहुत ज्यादा महत्व देती थीं, लेकिन समय के साथ उन्होंने खुद के लिए काम करना सीख लिया है। अब उन्हें समझ आ गया है कि एक कलाकार के लिए अपनी संतुष्टि और आत्मविश्वास भी उतना ही जरूरी है।

फिल्म

दर्शकों की हर राय हमारे लिए महत्वपूर्ण : जान्हवी कपूर

अ बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने कहा कि एक कलाकार के लिए दर्शकों की प्रतिक्रिया सबसे महत्वपूर्ण होती है और उनके विचारों का सम्मान करना हर अभिनेता की जिम्मेदारी है। अभिनेत्री जान्हवी कपूर अपनी आगामी फिल्म पेड्डी की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं। फिल्म के प्रचार में व्यस्त जान्हवी को विश्वास है कि दर्शक उनकी इस नई पेशकश को भी वही प्यार और समर्थन देंगे, जो उन्हें अब तक मिलता रहा है। साल 2018 में धड़क से अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने वाली जान्हवी कपूर ने एक बातचीत में फिल्मों और दर्शकों के प्रति अपने नजरिए को साझा किया। उन्होंने कहा कि उनके लिए फिल्म निर्माण केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि एक तरह की सेवा है। उनका मानना है कि कलाकार और फिल्म निर्माता दर्शकों का मनोरंजन करने तथा उन्हें बेहतर अनुभव देने के उद्देश्य से काम करते हैं।

यदि किसी फिल्म को ईमानदारी, मेहनत और अच्छे इरादों के साथ बनाया जाता है तो वह निश्चित रूप से उन लोगों तक पहुंचती है, जिनके लिए उसे बनाया गया है। जान्हवी ने सोशल मीडिया के दौर में फिल्मों को लेकर बनने वाली धारणाओं और जल्दबाजी में की जाने वाली आलोचनाओं पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि कई बार लोग किसी फिल्म के रिलीज होने से पहले ही उसके बारे में नकारात्मक टिप्पणियां करना शुरू कर देते हैं। हालांकि, इसके बावजूद वह दर्शकों की राय को नजरअंदाज करने में विश्वास नहीं रखतीं। उनके अनुसार, दर्शकों की प्रतिक्रिया किसी भी कलाकार के लिए सीखने और खुद को बेहतर बनाने का अवसर होती है। अभिनेत्री ने कहा कि वह दर्शकों को बेहद सम्मान की नजर से देखती हैं। उनके मुताबिक, दर्शक ही वह शक्ति हैं जिनके लिए फिल्में बनाई जाती हैं और उनकी पसंद-नापसंद को समझना जरूरी है। उन्होंने कहा कि यदि किसी दर्शक की टिप्पणी या प्रतिक्रिया से कलाकार को अपने काम में सुधार करने का अवसर मिलता है, तो उसका स्वागत किया जाना चाहिए।

पिंक ई-रिक्शा महिलाओं के जीवन में लाएगा बदलाव : भूमि पेडनेकर

हा हाल ही में मुंबई में ड्राइव हर फ्यूचर नामक एक महत्वपूर्ण पहल के तहत शुरू की गई पिंक ई-रिक्शा परियोजना को बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने अपना खुला समर्थन दिया है। परियोजना का उद्देश्य महिलाओं को रोजगार के अवसर प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि जब महिलाओं को अपनी आजीविका कमाने और अपने पैरों पर खड़े होने का मौका मिलता है, तो इससे न केवल उनका व्यक्तिगत जीवन बेहतर होता है, बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र की प्रगति में भी तेजी आती है। मुंबई में आयोजित इस लॉन्च कार्यक्रम के दौरान, भूमि पेडनेकर ने इस अनूठी परियोजना के बहुआयामी लाभों पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह पहल पर्यावरण संरक्षण, महिला सुरक्षा और महिला सशक्तिकरण –इन तीनों महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों को एक साथ संबोधित करती है। अभिनेत्री ने यह भी जोड़ा कि अक्सर लोग महिला सशक्तिकरण की बातें तो करते हैं, लेकिन वास्तविक ज़मीन पर ऐसे ठोस कदम कम ही देखने को मिलते हैं, जो सीधे तौर पर महिलाओं की जिंदगी में सकारात्मक बदलाव ला सकें। उनके अनुसार, पिंक ई-रिक्शा पहल ठीक ऐसा ही एक काम है, जो महिला चालकों को ई-रिक्शा प्रदान करके उन्हें सीधे तौर पर आर्थिक लाभ पहुँचाएगी। भूमि पेडनेकर ने इस बात पर जोर दिया कि आर्थिक स्वतंत्रता किसी भी महिला को मजबूत बनाने का सबसे शक्तिशाली साधन है। जब किसी महिला के पास अपनी आय का स्थिर स्रोत होता है, तो उसका आत्मविश्वास बढ़ता है, और वह अपने जीवन के महत्वपूर्ण निर्णय स्वयं लेने में सक्षम होती है। उनका मानना है कि यदि देश की महिलाएं सक्षम और आत्मनिर्भर होंगी, तो इससे देश की विकास गति में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और समाज में महिलाओं के लिए सुरक्षा का माहौल भी स्वाभाविक रूप से बेहतर बनेगा। यह पहल केवल रोजगार सृजन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक सामाजिक परिवर्तन का प्रतीक है। अभिनेत्री ने आगे बताया कि इस योजना की एक और खास बात यह है कि यह केवल महिलाओं के लिए अवसर पैदा नहीं कर रही, बल्कि साथ ही पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। मुंबई में प्रारंभिक चरण में एक हजार पिंक ई-रिक्शा लॉन्च किए जा रहे हैं। इस सफलता के बाद, महाराष्ट्र में कुल 12 हजार ई-रिक्शा उपलब्ध कराने का एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया गया है। भविष्य में इस योजना को देश के अन्य राज्यों तक भी विस्तारित करने की योजना है, ताकि देशभर की अधिक से अधिक महिलाओं को इसका लाभ मिल सके और वे आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें। इस अवसर पर भूमि पेडनेकर के साथ महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री की पत्नी अमृता फडणवीस और साहेर भामला भी मौजूद थे। अमृता फडणवीस ने भी इस पहल की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि आज दुनिया के सामने पर्यावरण संरक्षण सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है, और ऐसे समय में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक हो गया है। सुरक्षित रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

मैत्री मूवी मेकर्स ने नई तमिल फ़िल्म की घोषणा की, **अभिनेता सूरी मुख्य भूमिका में हैं**

मै मैत्री मूवी मेकर्स ने अपने तीसरे तमिल प्रोजेक्ट, मैत्रीतमिल03 की घोषणा की है। इस फ़िल्म में अभिनेता सूरी मुख्य भूमिका में हैं और इसका निर्देशन आर. रविकुमार कर रहे हैं। यह घोषणा एक बेहद शानदार पोस्टर के साथ की गई, जिसमें सूरी कमर तक गहरे, गंदे बाढ़ के पानी में खड़े नज़र आ रहे हैं। उनके हाथ में एक हथियार है और उनके चारों ओर तबाही का मंज़र दिखाई दे रहा है। फ़िल्म का अंदाज़ काफ़ी गंभीर और रहस्यमयी है, जो इस बात का संकेत देता है कि इसकी कहानी में ज़बरदस्त भावनात्मक गहराई और उथल-पुथल देखने को मिलेगी। यह फ़िल्म, सूरी 07, दर्शकों को एक बेहद रोमांचक और ज़बरदस्त अनुभव देने का वादा करती है। इस समय सूरी अपनी पिछली फ़िल्मों— कोट्टुक्काली, विदुथलाई और मामानन —की सफलता का खूब आनंद ले रहे हैं। वहीं, निर्देशक आर. रविकुमार अपनी साइंस फ़िक्शन फ़िल्मों, जैसे इंद्रू नेत्रू नालै और आयलान के लिए जाने जाते हैं। मैत्री मूवी मेकर्स ने इससे पहले गुड बैड अगली और ड्यूड जैसी तमिल फ़िल्में बनाई हैं। सूरी के फ़ैन्स मैत्रीतमिल03 के बारे में और ज़्यादा जानकारी का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। अनाउंसमेंट पोस्टर ने तुरंत लोगों में उत्सुकता जगा दी है, और अब इस फ़िल्म को लेकर लोगों में काफ़ी उम्मीदें बढ़ रही हैं। सूरी अपने हाल के प्रोजेक्ट्स के साथ लगातार सफलता की सीढ़ियाँ चढ़ रहे हैं, और उम्मीद है कि यह नई फ़िल्म उनकी बढ़ती सफलता में एक और मील का पत्थर साबित होगी। उनकी आने वाली फ़िल्मों में मंडाडी (जिसमें सुहास उनके साथ नज़र आएंगे) और युझु कदल येझु मलाई शामिल हैं।

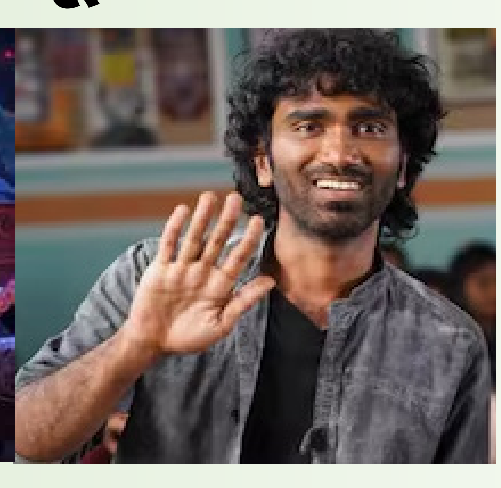

मटका किंग के दूसरे सीजन का ऐलान, बृज भट्टी बनकर फिर लौटेंगे विजय वर्मा, नया पोस्टर भी रिलीज

वि विजय वर्मा इन दिनों अपनी हालिया रिलीज वेब सीरीज मटका किंग की सफलता का जश्न मना रहे हैं। यूं तो अभिनेता अपने नए-नए किरदारों से हमेशा दर्शकों का दिल जीतते आए हैं। सट्टा की दुनिया का बेताज बादशाह ब्रिज भट्टी का किरदार निभाकर उन्होंने ओटीटी पर तहलका मचा दिया है। सीरीज को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया के बाद, आखिरकार निर्माताओं ने दूसरे सीजन की तैयारी शुरू कर दी है। इसका ऐलान उन्होंने एक पोस्ट के जरिए कर दिया है।

अमेजन प्राइम वीडियो ने मटका किंग 2 का ऐलान करते हुए लिखा, सीजन 2 के लिए तैयारियां ज़ोरों पर हैं। दूसरे सीजन पर काम जारी है। नागराज पोपटराव मंजुले द्वारा निर्देशित यह सीरीज बॉम्बे की 1960 के दशक की पृष्ठभूमि पर आधारित है। विजय ने इसमें कपास व्यापारी ब्रिज भट्टी का किरदार निभाया है, जो अपनी किस्मत को बदलने के लिए जुआ नेटवर्क को खड़ा करता है। सीरीज में कृतिका कामरा, सिद्धार्थ जाधव, साई ताम्हणकर और गुलशन ग्रोवर भी हैं।

आपको बता दें कि 17 अप्रैल को मटका किंग का सीजन 1 प्राइम वीडियो पर रिलीज किया गया था. भारत समेत दुनिया भर के 240 देशों में इसे देखा जा रहा है. रिलीज के बाद सिर्फ दो दिनों में ही यानि 17-19 अप्रैल के बीच इस सीरीज को 3.4 मिलियन व्यूवरशिप मिली. इसके बाद पहले हफ्ते में मटका किंग को रिकॉर्ड 4.5 मिलिनय व्यूज़ मिले. ऑरमैक्स मीडिया ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि 20-26 अप्रैल के बीच सबसे ज्यादा इस सीरीज को देखा गया. इसके बाद 27 अप्रैल से 3 मई के बीच इस सीरीज को 2.5 मिलियन व्यूज़ मिले.

गमले में आसानी से उगाएं लेमन बाम

लेमन बाम एक खुशबूदार और सेहत के लिए फायदेमंद पौधा है, जिसे आप अपने घर के आंगन या बालकनी में गमले में आसानी से उगा सकते हैं। यह पौधा न केवल आपके घर को हरा-भरा बनाता है, बल्कि कई स्वास्थ्यवर्धक गुणों से भी भरपूर होता है। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि कैसे आप गमले में लेमन बाम उगा सकते हैं और उसकी देखभाल कैसे कर सकते हैं। लेमन बाम के पौधे के लिए सही गमला चुनना बहुत जरूरी है। गमले का आकार इतना बड़ा होना चाहिए कि उसमें पौधे की जड़ें अच्छी तरह से फैल सकें। मिट्टी में पानी का बहाव होना भी जरूरी है ताकि जड़ें खराब न हों। प्लास्टिक या मिट्टी के गमले दोनों ही अच्छे विकल्प हो सकते हैं, लेकिन ध्यान रखें कि गमले में नीचे छेद होना चाहिए ताकि पानी का बहाव हो सके।

लेमन बाम के पौधे के लिए अच्छी मिट्टी का उपयोग करना जरूरी है। ऐसी मिट्टी जिसमें कीड़े-मकोड़े न हों और जो पोषक तत्वों से भरपूर हो। आप अपने गमले में जैविक खाद मिलाकर भी उपयोग कर सकते हैं ताकि मिट्टी अधिक उपजाऊ बने। इसके अलावा मिट्टी को नरम रखने के लिए उसमें थोड़ा-थोड़ा रेत भी मिला सकते हैं। इससे पौधे की जड़ें अच्छी तरह से फैल सकेंगी और उन्हें पर्याप्त पोषण मिलेगा।

धूप और छांव का संतुलन लेमन बाम का पौधा धूप और छांव दोनों ही प्रकार की जगहों पर अच्छे से बढ़ता है। सुबह की हल्की धूप और दोपहर बाद की छांव इस पौधे के लिए आदर्श होती है। अगर आप इसे सीधे धूप में रखेंगे तो इसके पत्ते जल सकते हैं, इसलिए ध्यान रखें कि पौधे को ऐसी जगह रखें जहां उसे रोजाना 4-5 घंटे की हल्की धूप मिले। इससे पौधा स्वस्थ रहेगा और अच्छे से बढ़ेगा। लेमन बाम के पौधे को नियमित रूप से पानी देना जरूरी है, लेकिन ध्यान रखें कि अधिक पानी देने से जड़ें खराब हो सकती हैं। इसलिए सप्ताह में 2-3 बार ही पौधे को हल्का पानी दें। बारिश के मौसम में पौधे को अधिक पानी देने की जरूरत नहीं होती, बस मिट्टी को नम रखें ताकि पौधा स्वस्थ रहे। इसके अलावा गमले के नीचे से पानी का बहाव होना भी जरूरी है ताकि जड़ें खराब न हों। पौधे की छंटाई करना बहुत जरूरी है ताकि वह घना और स्वस्थ रहे। समय-समय पर इसकी शाखाओं और पत्तियों को काटते रहें ताकि नए पत्ते निकल सकें। इस प्रक्रिया से पौधा ज्यादा फलदार बनेगा और उसकी गुणवत्ता भी बेहतर होगी। इसके अलावा छंटाई करने से पौधे का आकार भी नियंत्रित रहता है और वह ज्यादा सुंदर दिखता है। इस तरह आप आसानी से अपने घर पर लेमन बाम का पौधा उगा सकते हैं।

ईशा देओल ने बॉबी देओल की फिल्म बंदर का किया रिव्यू फैंस से की ये गुजारिश

बॉ बॉबी देओल की फिल्म बंदर 5 जून को सिनेमाघरों में आ गई है। इससे पहले, 4 जून को हुई फिल्म की विशेष स्क्रीनिंग में अभिनेता की बहन और अभिनेत्री ईशा देओल शामिल हुईं। अभिनेत्री ने इस खास पल की तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की, जिसमें उनके साथ बॉबी और उनकी पत्नी तान्या देओल भी नजर आ रही हैं। तस्वीर के साथ ईशा ने बंदर का रिव्यू किया और फैंस से फिल्म बड़े पर्दे पर देखने का आग्रह किया है। ईशा ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए बॉबी भैया की जमकर तारीफ की और फिल्म पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने लिखा, बॉबी आप अपने बेहतरीन फॉर्म में हैं! बिना किसी संदेह आज के सबसे बेहतरीन अभिनेता। दृढ़ और संवेदनशील! शाबाश भैया। उन्होंने दर्शकों से फिल्म को देखने का आग्रह करते हुए आगे लिखा, जाओ और बंदर देखो। भाई-बहन के बीच का यह प्यार देखकर फैंस भी खुशी से फूले नहीं समा रहे हैं। अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित फिल्म बंदर एक क्राइम थ्रिलर है। सच्ची घटनाओं से प्रेरित इस फिल्म की पटकथा सुदीप शर्मा और अभिषेक बनर्जी ने मिलकर लिखी है। इसमें सान्या मल्होत्रा, सपना पब्बी, सबा आजाद, राज बी. शेट्टी, इंद्रजीत सुकुमारन और जितेंद्र जोशी भी शामिल हैं। फिल्म की कहानी एक मशहूर टीवी स्टार के इर्द-गिर्द घूमती है, जिस पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगता है। इस झूठे आरोप में फंसकर उसकी पूरी जिंदगी बदल जाती है।

Delhi Speaker stresses need to preserve India's tribal heritage

New Delhi,Agency: Delhi Assembly Speaker Vijender Gupta on Saturday emphasised the need to preserve and promote India's tribal heritage, stating that tribal histories have long remained underrepresented in mainstream narratives despite their significant contributions to the country's cultural and freedom struggle legacy.

Addressing a national seminar on "Bhagwan Shri Birsa Munda, Cultural Renaissance in Tribal India and His Representation in Museums" at the India International Centre, Gupta said Birsa Munda was not merely a freedom fighter but a symbol of self-respect, cultural identity and social awakening.

The seminar, organised by the Museums Association of India, brought together museum professionals, historians, archaeologists, scholars and researchers to discuss Birsa Munda's legacy and the role of museums in preserving tribal heritage.

Gupta said Birsa Munda's movement represented resistance against colonial rule as well as an effort to protect indigenous traditions, cultural identity and tribal institutions. He noted that the tribal leader inspired confidence and self-belief among tribal communities at a time when they faced economic exploitation and social disruption.

Highlighting the richness of India's tribal heritage, the Speaker said tribal communities possess a vast legacy of oral traditions, folk arts, music, ecological knowledge and social practices that continue to enrich the country's cultural landscape. He said tribal communities had historically acted as custodians of forests, biodiversity and sustainable lifestyles, making their knowledge systems relevant even today.

Observing that many tribal histories and freedom struggles remained insufficiently acknowledged for decades, Gupta welcomed initiatives such as the commemoration of Janjatiya Gaurav Diwas and efforts to document tribal heritage, describing them as important steps towards building a more inclusive understanding of India's past.

Underscoring the role of museums, Gupta said they serve as custodians of collective memory and play a crucial role in shaping how future generations understand history. He stressed that museums should go beyond displaying artefacts and meaningfully represent the experiences, aspirations and contributions of tribal communities."The stories museums choose to tell shape how future generations understand their nation, their history and themselves," he said.Gupta also urged museums, archives and cultural institutions to develop exhibitions, oral history projects and other public engagement initiatives centred on the life and legacy of Birsa Munda and tribal communities.Referring to India's goal of becoming a developed nation by 2047, he said economic progress must be accompanied by cultural confidence and historical awareness, adding that preserving cultural heritage is essential for strengthening national identity and unity.

NGT seeks report on illegal borewells

New Delhi,Agency: National Green Tribunal has sought a comprehensive report from the Central Ground Water Authority (CGWA) on allegations of illegal borewell operations in a residential society in East Delhi's Mayur Vihar Phase-I. The tribunal has also asked the district administration and Delhi Jal Board to submit an action taken report.

A local resident filed a complaint alleging that several borewells are illegally operating at a society in the area. The bench headed by Justice Prakash Shrivastava observed that the complaint was made to the area SDM, CGWA and DJB in April, but no effective action has been taken. The bench has asked the CGWA,

1 dead, 6 injured after tempo overturns near Delhi's Mahipalpur

New Delhi,Agency: A 47-year-old woman died and six others, including three children, were injured after a three-wheeler tempo overturned on the Rajokri flyover near Mahipalpur early Sunday morning.

The deceased was identified as Kripa Devi (47). The injured were identified as Vansh (8), Savitri Devi (60), Naina (34), Rahul (37), Naksh (14), and Ishan (2).

According to the Delhi Fire Services (DFS), a call regarding the road accident was received at 4.37 am from the Vasant Kunj area. Officials from the fire dept and police personnel rushed to the spot.

Officials said the accident involved a tempo, which overturned on the flyover. By the time rescue teams reached the location, PCR personnel had already shifted the injured to Safdarjung Hospital and AIIMS Trauma Centre.

Police are probing the circumstances that led to the accident

Four criminals, including three Prince Teotia gang members held after two encounters

New Delhi,Agency: Delhi Police arrested four suspects, including three alleged shooters of the Prince Teotia gang, in two encounters in south and north-east districts between Friday night and early Saturday. Three of the accused suffered leg injuries in retaliatory firing by police.

In the first operation, a south district team apprehended three gang members after an encounter in Pushp Vihar. The accused - Rakesh, Sonu and Bharat Jatav - were intercepted around 12.20 am on a stolen motorcycle without a number plate.

When asked to stop, the trio allegedly opened fire at the police team. Police retaliated, injuring Rakesh and Sonu in the legs before overpowering the three.

Rakesh, a Dakshinpuri resident with 11 previous criminal cases, had been on the run after allegedly carrying out an extortion-related firing on June 1 outside a businessman's house in Lado Sarai under Saket police station limits.

Police said they recovered two semi-automatic pistols - including weapons used in the Saket incident - along with seven live cartridges, six empty shells and three mobile phones.

In a separate encounter in north-east Delhi, a team from Welcome police station arrested Rihan, an absconding murder suspect, after a shootout at Jheel Park. Acting on a tip-off around 11 pm on Friday, police cornered him.

Rihan allegedly fired three rounds while trying to escape. A member of the police team fired back, hitting him in the right leg and stopping his escape.

DU professor murder case

Couple arrested, property dispute suspected behind killing

New Delhi,Agency: Police have arrested a man and his wife in connection with the murder of a Delhi University assistant professor, Dr Debosmita Paul in New Ashok Nagar.

The couple was known to the victim, and the motive appears to be a property dispute.

At the time of the incident, they also had a child with them, whom they left outside the professor's apartment before going inside and attacking her.

The 42-year-old professor was found dead in her apartment in east Delhi's Vasundhara Enclave on Thursday.

She taught English at Shivaji College, Delhi University, and lived alone in Satyam Apartment while her parents resided nearby.

Police said they received a PCR call around 2.35pm at New Ashok Nagar police station from the victim's sister, Devarati Paul, 49, who reported that her sister had been murdered at her residence.

"Devarati had been trying to reach Debosmita all day, but her calls went unanswered. Concerned, she went to the apartment and found it locked from outside," a senior officer said.

"Suspecting something was wrong, she broke the lock and found her sister dead inside."

A police team rushed to the spot and found the victim on a bed with severe head injuries. Preliminary investigation suggests she was attacked with a blunt object.

Police also found injuries on her wrists, indicating that a sharp-edged weapon may have been used during the assault.

Parked truck catches fire, driver burnt alive

New Delhi,Agency: A truck driver was burnt alive in a horrific accident on the Kundli-Manesar-Palwal Expressway Saturday morning after his truck collided with another truck parked on the road and caught fire.

According to the, police, the incident took place around 5:00 am on Saturday when a truck was parked on the expressway roadside. Meanwhile, another truck coming from Bilaspur lost control and collided with the parked vehicle. At the time of the accident, the truck was being driven by Deepu, a resident of Unnao district in Uttar Pradesh.

Following the collision, the driver Deepu was trapped in the truck's cabin and could not escape due to the intense flames. He was burnt alive.

Fire brigade and police teams arrived at the scene as soon as the incident was reported. After significant effort, fire brigade personnel managed to control the fire in both trucks, but the driver had already died by then. The fire was so severe that the driver's body was completely burned to a skeleton.

Two found dead in Chajjupur police suspect man 'poisoned son before killing self

New Delhi,Agency: A 54-year-old man allegedly poisoned his 13-year-old son before allegedly dying by suicide at their home in northeast Delhi's Chajjupur on Saturday morning, police said.

The deceased have been identified as Praveen Sharma and his son. Police received information about a suicide at Jyoti Nagar police station in the morning and reached the house in North Chajjupur.

Preliminary investigation suggests the father may have administered a poisonous substance to the child before taking his own life, police said. The exact cause of death will be confirmed after post-mortem.

Forensic teams examined the scene and collected evidence.

Don't even go near': Muslim youth urged to stay away' from Cockroach Janta Party's stir

New Delhi,Agency: Six years ago, Muslim women occupying a stretch of road in southeast Delhi transformed Shaheen Bagh into a global symbol of protest. Ahead of Saturday's demonstration, a very different message travelled through WhatsApp groups, mosque announcements, Instagram reels and X posts across parts of the Muslim community: stay away.

Widely shared posts warned Muslim youth that while protests may last a few hours, "the consequences can linger for years for them". Others advised: "Don't participate. Don't even go near the protest site"- arguing if violence or disorder erupted, Muslims would be among the first to face scrutiny.

Days before CJP founder Abhijeet Dipke who flew in from the US for the protest announced the date for the congregation, clerics, community figures and ordinary Muslim users circulated warnings urging members not to attend-a sentiment that has gained ground since the anti-CAA protests and the Delhi riots investigations.

Ashraf Masood, a college student said his father discouraged him from attending. "He told me it's wiser to focus on building yourself and your career first and then help people. This way, we don't invite trouble," he told Media. One X post urged Muslims to avoid even the surrounding area. "As always, Muslims will be made the scapegoat," it said, warning of arrests, media scrutiny and anti-national allegations if unrest broke out.

Ashraf Masood, a college student from Sarita Vihar, said his father discouraged him from attending. "He told me it's wiser to focus on building yourself and your career first and then help people.

CJP's online movement faces its first real-world test

New Delhi,Agency: After staying awake through the night, 41-year-old Tripura-based content creator Madhavi Biswas stood outside Gate No. 6 of Terminal 3 at Indira Gandhi International Airport on Saturday, hoping to catch a glimpse of Cockroach Janta Party (CJP) founder Abhijeet Dipke. Leaving behind her Class XII-bound child in her native state, she said she had travelled to Delhi "to secure his future".

Biswas was among the many who waited under the morning sun for the man whose online movement, triggered by a remark by the CJI, had suddenly found itself at the centre of a national conversation. As the crowd swelled, Delhi Police personnel repeatedly moved people behind the barricades.

At 9.15am, Dipke finally emerged. Accompanied by CJP spokesperson Ashutosh Ranka, he was greeted with chants of "CJP ki Jai" as dozens pulled out their phones to record the moment.

Interestingly, in a video message posted on Friday, Dipke had urged supporters not to crowd the airport as it could "cause inconvenience to the public and the security forces". Yet, for those who had followed the movement since its inception, being present at the airport to witness his return to India felt like a natural extension of their participation.

Among them was 48-year-old Mussoorie hotel owner Daulat Kunwar, who had flown to Delhi solely to welcome the Boston returnee and show support for the outfit's campaign for institutional reforms, especially in the light of recurring paper leaks. Describing himself as the quintessential "cockroach" referenced by the movement - lazy, glued to social media and comfortably detached from public life - Kunwar said the campaign had pushed him out of that complacency. "It's the cockroaches like me who have woken up and left the comforts of our room. Now the whole country will rise up with us," he said.

His son, Kunwar added, was among thousands of students already waiting at Jantar Mantar to attend the gathering featuring speakers like Sonam Wangchuk and Saurav Das.

For younger supporters, the airport turnout represented something else: a chance to challenge assumptions about their generation, that they only exist as Instagram followers, not visible on the ground.

Arya Shri, an 18-year-old law aspirant from Safdarjung Enclave, stood behind cops with a book and a flower, which was among CJP's 'guidelines' for the protest. "I know our generation is known for reels and not real-life action. But I'm here to prove otherwise and make sure students own this movement from the very beginning," she said.

For many, CJP marked the first public mobilisation they had participated in for years. Standing outside the terminal since 6am was former Indian Navy Commander Rishi Raj Singh, 48. He acknowledged that Wangchuk's support was a major reason for his presence, but said the movement had also prompted a degree of self-reflection. "I voted for the first time last year. As a citizen, I should have been more responsible. Maybe to compensate for that, I'm here to join this movement," he said.